Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 183 | रविवार, 12 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

वियतनाम में नौका डूबने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत, 21 को सुरक्षित बचा लिया गया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। वियतनाम में भारतीय पर्यटकों से भरी एक नौका के शनिवार को समुद्र में पलट जाने से 15 भारतीयों की मौत हो गयी जबकि 17 भारतीयों और चालक दल के चार वियतनामी सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार ओशन पर्ल आइलैंड कंपनी की एक चलने वाली मोटर नौका स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे मशीन में आयी खराबी के कारण पलट गयी जिससे उसमें सफर कर रहे लोग पानी में गिर पड़े। यह स्पीडबोट पर्यटकों को लेकर होन-मे-रुत द्वीप से अन-थोई-पोर्ट की तरफ वापस लौट रही थी। यह हादसा तब हुआ जब यह बोट होन-मे-रुत नगोई द्वीप से लगभग 400 मीटर की दूरी पर थी। यह सभी छोटे द्वीप वियतनाम के सबसे बड़े द्वीप फू क्वोक के पास स्थित हैं और यहां पर्यटक 'आइलैंड हॉपिंग' (एक द्वीप से दूसरे द्वीप की यात्रा) और डाइविंग के लिए आते हैं।

दुर्घटना होते ही बचाव दल के लोग फौरन सक्रिय हो गए और नौका में सवार 21 लोगों को बचा कर सुरक्षित किनारे पर लाया गया। बचाव दल ने शेष 15 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय अधिकारियों, तटरक्षक बलों और आस-पास के जहाजों को बचाव कार्य में लगाया गया। अधिकारी घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

वियतनाम में भारतीय दूतावास ने दुर्घटना की पुष्टि की है और इसमें मारे गए लोगों के नाम जारी कर दिए हैं । इनमें तमिलनाडु के दस पर्यटक सेंथिल कुमार जयवेल, मुरुगा प्रभु अरुमुगम, श्रीधर सुंदरराजन, शेख अब्दुल्ला अब्दुल मजीद, बालाजी नटेसन, विनया कुमार चिथापुरम भास्करा, रविशंकर सुगुमारन, संतोष कुमार शांतिलालजैन, बाबू कुप्पुस्वामी, अलगुराजन सिवासामी शामिल हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटक नल्लापेटा आदिशेषय्या रवितेजा, श्रीधर मुदियम, जया लक्ष्मी गल्ली और केरल के दो पर्यटक एविकोट चेरियन थॉमस, लोवेनी थॉमस शामिल हैं।

दूतावास ने यह भी लिखा है कि वह मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और इस त्रासदी से प्रभावित लोगों को जरूरी मदद मुहैया करा रहे हैं। इससे पहले दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एक दुखद घटना में कुछ घंटे पहले वियतनाम में फु क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक नाव पलट गयी। घटना के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए हो ची मिन्ह सिटी में भारत के वाणिज्य दूतावास ने जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए एक कंट्रोल रूम स्थापित किया है। हनोई में भी एक अलग सहायता डेस्क स्थापित की गयी है।

हो ची मिन्ह सिटी में भारत के महावाणिज्य दूत में एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिससे इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है- 84 36 281 7930, 84 91 552 37 14 और 84 33 452 0414। हनोई में भी एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिससे 84 91 308 9165 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया दुख, बोले- हर संभव मदद करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुखद नाव दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास वियतनामी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहते हुए हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने पर पोस्ट किया कि वियतनाम के फु क्वोक के पास भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायल बचे लोगों के जल्द ठीक होने की मैं प्रार्थना करता हूं। हमारा दूतावास और वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। हमारे अधिकारी वियतनाम के अधिकारियों के भी लगातार संपर्क में हैं। नाव पलटने की घटना में कुल 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने सरकारी मीडिया को बताया कि वियतनाम के फु क्वोक के पास 'होन मे रुट न्गोई' द्वीप के पास जब नाव पलटी, तो उसमें 32 भारतीय पर्यटक और चार क्रू मेंबर सवार थे। यह नाव वियतनाम के सबसे बड़े द्वीप, फु क्वोक के पास स्थित द्वीप से लगभग 400 मीटर (1,310 फीट) की दूरी पर पलट गई। आंध्र प्रदेश सरकार के सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बॉर्डर गार्ड, नेवी, कोस्ट गार्ड और दूसरी इमरजेंसी टीमों के ऑपरेशन में शामिल होने से पहले ही आस-पास की नावें मौके पर पहुँच गईं और पानी से यात्रियों को बचाने का काम शुरू कर दिया। खबरों के मुताबिक, बचाव कार्यों में रुकावट आई क्योंकि कई यात्री पलटी हुई नाव के अंदर ही फँसे हुए थे।

नौसेना में शामिल होगा स्वदेशी युद्धपोत महेंद्रगिरि, समुद्री हितों की रक्षा के लिए तैयार: राजनाथ सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की ताकत में एक और बड़ा इजाफा होने जा रहा है। अत्याधुनिक हथियारों से लैस स्वदेश निर्मित स्टेल्थ फ्रिगेट 'महेंद्रगिरि' 11 जुलाई को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह नया युद्धपोत देश के समुद्री हितों की रक्षा करने में सक्षम है। इतिहास 'महेंद्रगिरि' नीलगिरि श्रेणी (प्रोजेक्ट-17ए) का छठा युद्धपोत है। इसे आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। नौसेना के एक प्रवक्ता ने इस पर जानकारी देते हुए कहा कि यह युद्धपोत पूरी तरह से 'मिशन-प्राइम्ड कॉम्बैट प्लेटफॉर्म' के रूप में बेड़े में शामिल होने के लिए तैयार है। इस गौरवशाली अवसर को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि वह विशाखापत्तनम जा रहे हैं, जहां वह राष्ट्र और भारतीय नौसेना के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनेंगे। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि पूरी तरह से भारत में निर्मित यह अत्याधुनिक युद्धपोत हमारे 'आत्मनिर्भर भारत' के मजबूत संकल्प को दर्शाता है। यह देश के घरेलू रक्षा उद्योगों और एमएसएमई की असाधारण क्षमता का एक बड़ा प्रमाण है। उन्होंने भरोसा जताया कि 'महेंद्रगिरि' भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने के साथ-साथ सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हमारे संकल्प को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से युद्ध के लिए तैयार है।

'हम आपको जनता के सामने बेनकाब कर देंगे': महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार, जानें पूरा मामला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में विदेशी नागरिक की जमानत याचिका का विरोध करने पर महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर राज्य सरकार का यही ढर्रा रहा, तो वे उसे जनता के सामने बेनकाब कर देंगे। बता दें कि, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की पीठ एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के काम करने के तरीके पर गहरी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा, 'हमें हर दिन महाराष्ट्र से ऐसे मामले मिलते हैं। आप लोग जमानत का तो पूरी ताकत से विरोध करते हैं, लेकिन मुकदमों को तेजी से पूरा करने के लिए कोई कदम नहीं उठाते। जब हम मामले की जांच करते हैं, तो पता चलता है कि सबूत बहुत कमजोर हैं। हम आपको जनता के सामने बेनकाब कर देंगे'। 86 बार तारीख, 53 बार पेशी नहीं: आरोपी के वकील ने बताया कि निचली अदालत में उसके मामले की 86 बार सुनवाई की तारीख पड़ी, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने उसे 53 बार कोर्ट में पेश ही नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को बेहद गंभीर माना और कहा कि आरोपी को समय पर कोर्ट में पेश न करना महाराष्ट्र सरकार और प्रशासन की एक बहुत बड़ी लापरवाही है। संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए 'जल्दी इंसाफ पाने के अधिकार' का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। चार वर्षों में 34 गवाहों में से केवल दो गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। यह बात पिछले कुछ समय से कोर्ट को परेशान कर रही है'। इस दौरान पीठ ने साफ किया कि अगर राज्य सरकार किसी की जमानत का पुरजोर विरोध करती है, तो उसकी यह भी जिम्मेदारी बनती है कि वह मुकदमे की सुनवाई को बिना किसी रुकावट के तेजी से चलाए, लेकिन महाराष्ट्र सरकार इसमें पूरी तरह नाकाम रही है। मामले की सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि अब राज्य सरकार सभी आरोपियों को हर सुनवाई पर कोर्ट में पेश कर रही है।

सड़क पर धू-धू कर जली डीपीएस की सीएनजी बस, तकनीकी खराबी की आशंका से हड़कंप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गाज़ियाबाद। शनिवार सुबह गाज़ियाबाद के मेरठ रोड पर एक स्कूल बस में आग लग गई, जिससे इलाके में आने-जाने वालों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई और आसमान में घना काला धुआं उठने लगा। वीडियो से पता चलता है कि बस दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS), गाज़ियाबाद की थी। हालांकि, एक बड़ा हादसा टल गया क्योंकि घटना के समय बस में कोई छात्र मौजूद नहीं था। ड्राइवर समय रहते बस से बाहर निकलकर सुरक्षित बच गया। दमकल विभाग को सुबह करीब 9:26 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद कोतवाली फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने देखा कि CNG वाली बस पूरी तरह आग की लपटों से घिरी हुई थी और उन्होंने होज लाइन और होज रील का इस्तेमाल करके आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग लगने की सही वजह का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन अधिकारियों को किसी तकनीकी खराबी का शक है। आग और धुएं को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे मेरठ रोड पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक भी बाधित रहा।

ओडिशा रथ यात्रा पर इस्कॉन-कलिंग सेना में घमासान, मिली पुरी में प्रवेश न करने की धमकी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। ओडिशा में इस्कॉन की रथ यात्रा के समय को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कलिंग सेना ने संगठन पर आरोप लगाया है कि उसने 'गलत समय' पर रथ यात्रा आयोजित करके जगन्नाथ परंपरा का उल्लंघन किया है। भुवनेश्वर के एक सामाजिक और राजनीतिक संगठन ने शुक्रवार को शहर में इस्कॉन मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि संगठन ने पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब की उस अपील को नजरअंदाज किया, जिसमें उन्होंने धार्मिक ग्रंथों की परंपराओं के अनुसार दुनिया भर में रथ यात्रा मनाने को कहा था। कलिंग सेना ने चेतावनी दी है कि 16 जुलाई को रथ यात्रा के दौरान इस्कॉन के भक्तों को पुरी में घुसने नहीं दिया जाएगा। साथ ही, संगठन को धमकी दी गई है कि अगर वे पारंपरिक कैलेंडर से हटकर कोई उत्सव मनाते हैं, तो ओडिशा में उनकी गतिविधियों में बाधा डाली जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए कलिंग सेना के अध्यक्ष हेमंत रथ ने कहा, 'इस्कॉन को ओडिशा में रहने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उन्होंने गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब का अपमान किया है, जिन्हें भगवान जगन्नाथ का पहला सेवक माना जाता है। हमारे कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि पुरी और भुवनेश्वर में रथ यात्रा के दौरान इस्कॉन के लोग मौजूद न रहें। उन्होंने कहा कि बार-बार अपील करने के बावजूद, इस्कॉन भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के लिए तय शेड्यूल का पालन करने में नाकाम रहा। इस आरोप को खारिज करते हुए कि समूह कानून को अपने हाथ में ले रहा है, रथ ने कहा, 'अगर वे हमारी जगन्नाथ संस्कृति का सम्मान नहीं करते हैं, तो हम पुरी में उनका सम्मान क्यों करें? पुरी में उनका कोई काम नहीं है। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि अगर संगठन ने 'बेवक्त' रथ यात्रा का आयोजन बंद नहीं किया, तो कलिंग सेना के कार्यकर्ता पूरे ओडिशा में इस्कॉन की गतिविधियों को रोक देंगे और राज्य के सभी इस्कॉन मंदिरों को 'निशाना बनाकर बंद' कर देंगे।

पंजाब बीजेपी ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, आप पर लगाए अभूतपूर्व धांधली के आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार पर मोरिंडा में हाल ही में हुए नगर परिषद चुनावों में धांधली और हेरफेर करने का आरोप लगाया। शनिवार को उन्होंने गवर्नर गुलाब चंद कटारिया को ज्ञापन सौंपकर दखल देने की मांग की। गवर्नर से मिलने के बाद ढिल्लों ने कहा कि चुनावों में अभूतपूर्व अनियमितताएं हुईं और उन्हें राजभवन से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। ढिल्लों ने कहा कि मुद्दा यह है कि पंजाब सरकार ने हाल के नगर निकाय चुनावों में इतनी बड़े पैमाने पर धांधली की है, जो किसी भी भारतीय राज्य के इतिहास में, और निश्चित रूप से पिछले 70 वर्षों में पंजाब में अभूतपूर्व है। जिन जगहों पर हमारा बहुमत था, वहां उन्होंने अपने सदस्यों को अंदर भेजा, दरवाजे बंद कर दिए और अपने ही उम्मीदवारों को विजयी घोषित कर दिया। उन्होंने दिन-दहाड़े चुनाव को हाईजैक कर लिया। ढिल्लों ने आगे आरोप लगाया कि बीजेपी उम्मीदवारों को नॉमिनेशन प्रोसेस के दौरान भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

दतिया में भारी बवाल! पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने से भड़के समर्थक, पुलिस पर पथराव और हाईवे पर चक्का जाम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दतिया यूनिट में उस समय भारी राजनीतिक भूचाल आ गया, जब उपचुनाव के लिए राज्य के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काट दिया गया। नरोत्तम मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाए जाने से नाराज बीजेपी जिला अध्यक्ष रघुवीर सरन समेत कई पार्षदों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। यही नहीं, टिकट कटने से गुस्साए पूर्व गृह मंत्री के हजारों समर्थकों ने झांसी हाईवे (NH-44) पर 'चक्का जाम' कर दिया और पुलिस पर भारी पथराव किया, जिससे इलाके में तनाव चरम पर पहुंच गया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNS) की धारा 163 (पहले की धारा 144) लागू कर दी है। समर्थकों ने पुलिस पर पत्थरबाजी भी की, जिसके बाद तनावपूर्ण स्थिति को काबू में करने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया। भौगोलिकसंदर्भ प्रशासन ने अब BNS की धारा 163 लागू कर दी है। DM स्वप्निल वानखेड़े ने कहा, 'सुबह 5 बजे तक ट्रैफि क जाम रहा। इससे चार ज़िले–दतिया, झांसी, शिवपुरी और ग्वालियर–प्रभावित हुए। ग्वालियर सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका था, जहाँ कई एम्बुलेंस जाम में फंसी रहीं। हम कल से ही उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन प्रदर्शनकारी सुनने को तैयार नहीं थे; हमने सुबह 4 बजे फिर कोशिश की, लेकिन तब उन्होंने पत्थरबाजी शुरू कर दी।' उन्होंने आगे कहा, 'इसके बाद, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हमने आंसू गैस के गोले छोड़े। पत्थरबाजी में हमारे आठ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और तीन-चार पुलिस गाड़ियों के शीशे टूट गए। इस दौरान हमारी तरफ से कोई लाठीचार्ज या पत्थरबाजी नहीं की गई। हमने आंसू गैस का इस्तेमाल तभी किया जब उन्होंने हमारी चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया। हालाँकि, अगर वे अब भी नहीं समझते हैं और 5 से 10 लोगों के समूह में बाहर निकलने की कोशिश करते हैं, तो हम कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं।' दतिया के रढ मयूर खंडेलवाल ने एक समाचार एजेंसी को बताया, 'कल दतिया शहर में 3000 से ज्यादा उपद्रवियों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। उन्होंने बाजार बंद कराने की कोशिश की। वे कल शाम 6 बजे से ही 'चक्का जाम' के लिए यहां बैठे थे। कलेक्टर और मैंने उनसे कई बार यहां से जाने और 'चक्का जाम' खत्म करने के लिए कहा। इसकी वजह से करीब 15 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। आस-पास के ज़िले भी प्रभावित हो रहे हैं। सुबह करीब 4 बजे उन्होंने अचानक पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी।' उन्होंने कहा, 'पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसके बाद पत्थरबाजी और तेज हो गई। हमारे 6 से ज्यादा जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। उन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुझे और एडिशनल रढ को भी चोटें आईं। फिर हमने दोबारा आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें खदेड़ दिया। वे अब छिपे हुए हैं। उनसे कहा गया है कि या तो सरेंडर करें या शांति से चले जाएं। 'चक्का जाम' बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक जाम हटाया जा रहा है। दतिया में हर जगह पुलिस बल तैनात है।'

संपादक की कलम से

महिला आरक्षण, लोकसभा सीटों का विस्तार और लोकतंत्र की कसौटी

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी समावेशी भावना है। यह व्यवस्था केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संवैधानिक वादा भी है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी इसी वादे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या उनकी आबादी के अनुपात में बहुत कम रही है। इसलिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार स्वाभाविक रूप से स्वागत योग्य माना जाता है। यह केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी प्रश्न है। लेकिन महिला आरक्षण की इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक नई बहस भी जन्म ले चुकी है। क्या महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए लोकसभा की कुल सीटों में भारी वृद्धि आवश्यक है? क्या मौजूदा 543 सीटों के भीतर ही यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संभावित वृद्धि दो अलग-अलग विषय हैं। महिला आरक्षण का संबंध निर्वाचित सीटों के आरक्षण से है, जबकि लोकसभा की सीटों का विस्तार भविष्य के परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा हुआ विषय है। फिर भी आम नागरिक के मन में यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यदि आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है, तो क्या इसके लिए संसद का आकार बढ़ाना अनिवार्य है? लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल अधिक सांसद होना नहीं है। लोकतंत्र की सफलता इस बात से मापी जाती है कि जनप्रतिनिधि कितने उत्तरदायी हैं, संसद में कितनी गंभीर बहस होती है, कानून कितनी गुणवत्ता से बनते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान कितना प्रभावी ढंग से होता है। यदि केवल संख्या बढ़ाने से लोकतंत्र मजबूत होता, तो दुनिया के सबसे बड़े संसद वाले देश स्वतः सबसे बेहतर लोकतंत्र भी होते। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। भारत में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है। हालांकि इस विषय पर यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि अक्सर सार्वजनिक चर्चा में सांसदों के वेतन और सरकारी खर्च के बारे में कई दावे किए जाते हैं, जिनके वास्तविक आंकड़े अलग हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आर्थिक तर्क को प्रमाणित सरकारी आँकड़ों के आधार पर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक विमर्श तथ्यों पर आधारित होना चाहिए, अतिशयोक्ति पर नहीं। महिला आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि बिना संवैधानिक गारंटी के राजनीतिक दल महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं देंगे। पिछले सात दशकों का अनुभव भी यही बताता है कि अधिकांश दल चुनावों में महिलाओं को सीमित अवसर देते रहे हैं। इसलिए आरक्षण आवश्यक है। यह तर्क मजबूत और ऐतिहासिक

ललित शर्मा
संपादक

अंतरिक्ष की नई दौड़: विज्ञान का विस्तार या संसाधनों और प्रभुत्व की अगली प्रतिस्पर्धा?

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ युग ऐसे आते हैं, जो केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं

एन0के0शर्मा
लेखक

लाते, बल्कि शक्ति-संतुलन, अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानव-चेतना की दिशा ही बदल देते हैं। कभी समुद्रों पर प्रभुत्व वैश्विक साम्राज्यों की पहचान था, फिर औद्योगिक क्रांति ने आर्थिक महाशक्तियों को जन्म दिया, उसके बाद परमाणु और डिजिटल युग ने विश्व व्यवस्था को पुनर्परिभाषित किया। इक्कीसवीं शताब्दी का तीसरा दशक अब एक ऐसे ही नए युग का उद्घोष कर रहा है, जहाँ पृथ्वी की सीमाएँ मानव महत्वाकांक्षा को रोकने में असमर्थ दिखाई दे रही हैं। अंतरिक्ष, जिसे कभी मानव जिज्ञासा और वैज्ञानिक अन्वेषण का पवित्र क्षेत्र माना जाता था, आज वैश्विक प्रतिस्पर्धा, आर्थिक निवेश, सामरिक प्रभुत्व और संसाधनों की संभावनाओं का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। यही कारण है कि आज का सबसे गंभीर प्रश्न केवल यह नहीं है कि मानव अंतरिक्ष में कितना आगे जाएगा, बल्कि यह भी है कि वह वहाँ किस उद्देश्य से जाएगा—ज्ञान के विस्तार के लिए या प्रभुत्व के विस्तार के लिए।

बीसवीं शताब्दी के शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ के बीच चली पहली अंतरिक्ष दौड़ मुख्यतः वैचारिक और राजनीतिक श्रेष्ठता का प्रतीक थी। 1957 में स्पुतनिक उपग्रह का प्रक्षेपण और 1969 में चंद्रमा पर मानव की ऐतिहासिक उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शक्ति का भी मापदंड बन चुका है। किंतु आज की नई अंतरिक्ष दौड़ पहले से कहीं अधिक जटिल, बहुआयामी और बहुपक्षीय है। इसमें केवल राष्ट्र ही नहीं, बल्कि निजी कंपनियाँ, वैश्विक निवेशक, रक्षा संस्थान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रौद्योगिकियाँ भी समान रूप से सहभागी हैं। आज अमेरिका, चीन, भारत, रूस, यूरोप, जापान और अनेक उभरते राष्ट्र अंतरिक्ष कार्यक्रमों में अभूतपूर्व निवेश कर रहे हैं। साथ ही निजी कंपनियाँ पुनः प्रयोज्य रॉकेट, उपग्रह समूह, चंद्र अभियानों और मंगल मिशनों के माध्यम से अंतरिक्ष को व्यावसायिक गतिविधियों का नया केंद्र बनाने में जुटी हैं। यह परिवर्तन विज्ञान के लोकतंत्रीकरण का संकेत भी है और पूँजी आधारित अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के उदय का भी। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो अंतरिक्ष अन्वेषण ने मानव ज्ञान को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। आधुनिक संचार व्यवस्था, मौसम पूर्वानुमान, वैश्विक नेविगेशन प्रणाली, आपदा प्रबंधन, कृषि निगरानी, समुद्री सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन का अध्ययन और पृथ्वी के संसाधनों का मानचित्रण—इन सभी में उपग्रह प्रौद्योगिकी की केंद्रीय भूमिका है। अंतरिक्ष अनुसंधान से विकसित अनेक तकनीकों ने चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पदार्थ विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान तथा ऊर्जा अनुसंधान में भी क्रांतिकारी योगदान दिया है। अतः यह कहना अनुचित होगा कि अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल प्रतिष्ठा का माध्यम हैं; वे पृथ्वी पर जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुए हैं। किन्तु विज्ञान का प्रत्येक विस्तार अपने साथ नैतिक प्रश्न भी लेकर आता है। आज चंद्रमा, मंगल तथा क्षुद्रग्रहों में उपलब्ध खनिज संसाधनों—विशेषकर दुर्लभ धातुओं, जल-बर्फ, प्लेटिनम समूह के तत्वों तथा हीलियम-3—को भविष्य की ऊर्जा और उद्योग का आधार माना जा रहा है। अनेक वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध हीलियम-3 भविष्य में स्वच्छ परमाणु संलयन ऊर्जा के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकता है।

इसी प्रकार कुछ क्षुद्रग्रहों में पृथ्वी की तुलना में कहीं अधिक मात्रा में बहुमूल्य धातुएँ होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यदि इन संसाधनों का दोहन संभव होता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था की संरचना ही बदल सकती है। यहीं से प्रतिस्पर्धा का दूसरा और अधिक संवेदनशील पक्ष प्रारंभ होता है। अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिक प्रयोगशाला नहीं रहा; वह भविष्य की आर्थिक संपदा का भंडार भी माना जाने लगा है। जो राष्ट्र या कंपनियाँ इन संसाधनों पर प्रारंभिक नियंत्रण स्थापित कर लेंगी, वे आने वाले दशकों में वैश्विक आर्थिक शक्ति-संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं। इतिहास साक्षी है कि जहाँ भी संसाधन मिले, वहाँ प्रतिस्पर्धा, संघर्ष और असमानता की संभावनाएँ भी बढ़ीं। समुद्री व्यापार मार्गों से लेकर तेल क्षेत्रों तक मानव इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। इसलिए यह आशंका निराधार नहीं कि भविष्य में अंतरिक्ष संसाधन भी नए भू-राजनीतिक तनावों का कारण बन सकते हैं। अंतरिक्ष का सामरिक महत्व भी निरंतर बढ़ रहा है। आधुनिक युद्धों में संचार, निगरानी, मिसाइल मार्गदर्शन, साइबर सुरक्षा और खुफिया जानकारी का अधिकांश आधार अंतरिक्ष अवसंरचना पर निर्भर है। यदि किसी राष्ट्र के उपग्रह निष्क्रिय कर दिए जाएँ, तो उसकी सैन्य और आर्थिक व्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इसी कारण अनेक देशों ने अंतरिक्ष सुरक्षा, उपग्रह-रोधी प्रणालियों और अंतरिक्ष आधारित रक्षा क्षमताओं पर निवेश बढ़ाया है। इससे अंतरिक्ष का सैन्यीकरण एक गंभीर वैश्विक चिंता बन गया है।

वैज्ञानिक समुदाय लगातार चेतावनी देता रहा है कि यदि अंतरिक्ष हथियारों की प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बन गया, तो पृथ्वी की कक्षा में मलबे की मात्रा बढ़ेगी, उपग्रहों की सुरक्षा संकट में पड़ेगी और भविष्य के वैज्ञानिक अभियानों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वर्तमान में पृथ्वी की कक्षा में लाखों सूक्ष्म मलबे के कण उच्च गति से परिक्रमा कर रहे हैं, जो सक्रिय उपग्रहों तथा अंतरिक्ष यानों के लिए गंभीर जोखिम उत्पन्न करते हैं। यदि यह स्थिति अनियंत्रित रही, तो तथाकथित 'केसलर सिंड्रोम' जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें टकरावों की श्रृंखला अंतरिक्ष गतिविधियों को अत्यंत कठिन बना दे। नई अंतरिक्ष दौड़ का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष निजी क्षेत्र का बढ़ता प्रभाव है।

आज अंतरिक्ष केवल सरकारी एजेंसियों तक सीमित नहीं है। निजी निवेश ने प्रक्षेपण लागत कम की है, नवाचार को गति दी है और अंतरिक्ष को अधिक सुलभ बनाया है। किंतु इसके साथ यह प्रश्न भी उठता है कि क्या भविष्य का अंतरिक्ष कुछ सीमित कॉर्पोरेट संस्थाओं के आर्थिक नियंत्रण में चला जाएगा? यदि चंद्रमा या क्षुद्रग्रहों पर संसाधन दोहन प्रारंभ होता है, तो स्वामित्व, लाभ वितरण और अंतरराष्ट्रीय न्याय के सिद्धांतों का निर्धारण किस आधार पर होगा? वर्तमान अंतरराष्ट्रीय संधियाँ इन जटिल प्रश्नों का स्पष्ट समाधान प्रस्तुत नहीं करतीं।

व्यंग्य

मौत बुला रही है सेल्फी खिंचा रही है

आसिम अनमोल

मौत की प्रतीक होगी सेल्फी यह किसे पता था। सेल्फी नामक मौत की आकस्मिक घटनाएँ तीव्र गति से होनी शुरू हो जाएँ तो कलम का हुंकार भरना लाजिमी बनता है। सेल्फी लेना जब हमारे नसीब में नहीं था। हम बिना किसी अड़चन के प्राकृतिक तरीके से बाकायदा अर्थी पर सज धजकर टाइम से परमात्मा के यहाँ चले जाते थे। जब से हम सेल्फी वाले बने हैं , तब से मौत मोबाइल के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। सेल्फी ने मौत को इतनी आसानी से अपने करीब कर लिया है कि बंदा ट्रेन में हो तो बर्थ सीट छोड़कर सीधे डिब्बे के ऊपर छैय्याँ छैय्याँ की तर्ज पर विद मौत के सेल्फी लेने चले जाने में गर्वान्वित महसूस कर रहा है। मौत भी सम्मान से आने का प्रयास कर रही है। सेल्फी वालों की सेल्फी भी हो रही है। सब भली भांति जानते हैं कि संसार में हर इंसान को अपनी अपनी पड़ी है। कोई तो मेरी तस्वीर खींचने से रहा। जीवन के हर सकारात्मक मौके गँवाने में इंसान अव्वल दर्जा हासिल करने में लगा हुआ है। लेकिन सेल्फी लेना उसने अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया है। इधर सरकार पुलों को स्थापित करती आ रही है लोंगो के आवागमन के लिए। पुल लोंगो की आवाजाही से कम पुलों पर आधुनिक अंदाज में खड़े होकर सेल्फी लेने के कारण ज्यादा प्रख्यात होते जा रहे हैं। इंसान को अब मौत से डर नहीं लग रहा है। अगर हाथ में स्मार्टफोन सेल्फी वाला मोबाइल उपलब्ध नहीं है तो जमाने वालों के सामने स्टेटस का कचरा होने का भय सता रहा है। डर का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी हावी रहता है। मौत तो सबको ही आनी है। सेल्फी लेते वक़्त मौत को अगर पब्लिक स्टंट मिल जाएगा तो मौत की टी.आर.पी.भी बढ़ जाएगी। ऐसे हालातों में देश के चैनल भी दुखद हादसों की खबरों के दरिया में डुबकी लगा लेने में संकोच नहीं करते। सेल्फी खुद एक पावर बनकर उभर रही है। सेल्फी के बगैर हम कई दिन तक कपड़े तक नहीं बदलते। सेल्फी है तो नए नए ब्रांडेड कपड़े पहनने का जूनून सवार रहता है। यह अलग बात है कि अब जीवन भगवान के हाथ न होकर सेल्फी वाले मोबाइल के हाथों में पहुँच गया है। मौत भी अब प्राकृतिक नहीं रही। मौत सांसारिक हो गई है। मौत ने भी अब सेल्फी वाले मोबाइल से टाई अप कर लिया है। जिंदा रहना है तो रहो। वरना सेल्फी लेते लेते भी भगवान के पास जा सकते हो। एक बार एक फैमिली बाजार करने जा रही थी। एक सांसद महोदय का वहां से गुजरना हुआ। हस्बैंड ने जैसे ही सांसद को देखा। बीवी बच्चे भूलकर सांसद के पीछे एक सेल्फी हो जाए लेने चले गए। इधर भीड़ भाड़ में न जाने किसी ने अपनी बाइक बीवी बच्चों पर चढ़ा दी। बीवी बच्चे घायल। जनता भी यह सब देखकर बीवी बच्चों की सेल्फी लेने में लग गई। किसी ने मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया। सेल्फी लेने के लिए सैकड़ों हाथ आ गए। हस्बैंड भी सांसद के साथ ली गई सेल्फी चेक करते हुए अपनी बीवी बच्चों के पास आए तो हक्का वक्का रह गए। इधर पब्लिक घायल बीवी बच्चों की सेल्फी लिए जा रही थी उधर हस्बैंड सेल्फी लेने वालों के मुँह ताक रहा था।

रिमझिम गिरे सावन

उदय किशोर साह

कविता

रिमझिम गिरे सावन की ठन्डी फुहार
मेघा की लग गई अंबर पे अंबार
प्यासी धरती तृप्त हुई तृप्त संसार
हरियाली की छाई हरितमा की बहार

झूम रही है अमुवा की लचीली डाली
अल्हड़ नदिया बह रही हो मतवाली
गाँव की नदिया बन गई आज नाली
खुशी से नाच रहा है बगिया की माली

पर्वत ने कर ली हरी रंग की श्रृंगार
दादुर गुनगुनाता गीत सुर। मल्हार
पुरवाई ले आई है फिजां में मस्त बयार
भिड़ गये खेतों से जग के पालनहार

रजनी ओढ़ बैठी चहुँ ओर चादर अंधियार
बन्द हो गये गाँव के हर घर के द्वार
चारों ओर फैली है अजब खौफ की ठार
श्वान भी भौंक रहे देख मौसम बार बार

हरी भरी हो गई वो दैख ले सामने कचनार
मौसम है सुहाना मनभावन खुशगवार
ताड़ पेड़ पे झूलता दरजी पक्षी की घर द्वार
रिमझिम रिमझिम बरसे सावन की फुहार

बढ़ती उम्र में भी जीने का उत्साह कम न होने दें

डॉ विजय गर्ग
लेखक

जीवन एक अनमोल यात्रा है, जिसमें बचपन, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था सभी का अपना अलग महत्व है। अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि बढ़ती उम्र का अर्थ केवल शारीरिक कमजोरी, बीमारियाँ और अकेलापन है। जबकि सच्चाई यह है कि जीवन का यह पड़ाव अनुभव, परिपक्वता, आत्मविश्वास और जीवन की गहरी समझ का समय होता है। यदि सकारात्मक सोच और जीने का उत्साह बना रहे, तो बढ़ती उम्र भी जीवन का सबसे संतोषजनक और प्रेरणादायक दौर बन सकती है। आज चिकित्सा विज्ञान, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता के कारण लोगों की औसत आयु पहले की तुलना में अधिक हो गई है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम वृद्धावस्था को जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत के रूप में देखें। यह वह समय है जब व्यक्ति अपने अधूरे सपनों को पूरा कर सकता है, नए शौक अपना सकता है और समाज को अपने अनुभवों का लाभ पहुँचा सकता है। स्वस्थ जीवनशैली इस उत्साह को बनाए रखने की पहली शर्त है।

संतुलित आहार, नियमित सैर, हल्का व्यायाम, योग और ध्यान शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को भी प्रसन्न रखते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच से बीमारियों का समय पर पता लगाया जा सकता है और उनका उचित उपचार संभव हो जाता है। मानसिक रूप से सक्रिय रहना भी उतना ही आवश्यक है। अच्छी पुस्तकें पढ़ना, समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ पढ़ना, संगीत सुनना, बागवानी करना,

चित्रकला, लेखन, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना या नई तकनीक सीखना मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखता है। आज अनेक वरिष्ठ नागरिक कंप्यूटर, स्मार्टफोन और इंटरनेट का उपयोग सीखकर अपने परिवार और मित्रों से जुड़े रहते हैं। परिवार का स्नेह और सम्मान वृद्धावस्था को सुखद बना सकता है। बुजुर्गों को केवल दवाइयों और सुविधाओं की नहीं, बल्कि अपनापन, संवाद और सम्मान की आवश्यकता होती है। परिवार के सदस्य यदि उनके साथ समय बिताएँ, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और महत्वपूर्ण निर्णयों में उनकी राय लें, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। दूसरी ओर, बुजुर्गों को भी नई पीढ़ी की सोच को समझने और समय के साथ स्वयं को ढालने का प्रयास करना चाहिए। सेवानिवृत्ति का अर्थ निष्क्रियता नहीं होना चाहिए। अनेक वरिष्ठ नागरिक समाज सेवा, शिक्षण, लेखन, पर्यावरण संरक्षण, पुस्तकालयों से जुड़ाव, स्वयंसेवी संस्थाओं में योगदान और युवा पीढ़ी के मार्गदर्शन जैसे कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनका अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर है। अकेलापन वृद्धावस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इससे बचने के लिए मित्रों से मिलना-जुलना, वरिष्ठ नागरिक क्लबों से जुड़ना, सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना और अपने प्रिय शौकों को जारी रखना बहुत लाभदायक होता है।

सकारात्मक सोच और सक्रिय जीवनशैली अकेलेपन को काफी हद तक दूर कर सकती है। जीवन में खुश रहने के लिए कृतज्ञता का भाव भी आवश्यक है। जो कुछ हमारे पास है, उसकी सराहना करना और छोटी-छोटी खुशियों का आनंद लेना मानसिक संतोष देता है। दूसरों की सहायता करना, अपने अनुभव साझा करना और नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करना भी जीवन को सार्थक बनाता है। यह याद रखना चाहिए कि उम्र केवल एक संख्या है। वास्तविक युवा वही है, जिसका मन उत्साही, जिज्ञासु और आशावादी हो। इतिहास में अनेक ऐसे लोग हुए हैं जिन्होंने जीवन के अंतिम वर्षों में भी महान उपलब्धियाँ हासिल कीं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सपने देखने और उन्हें पूरा करने की कोई आयु सीमा नहीं होती। निष्कर्षः बढ़ती उम्र जीवन का अवसान नहीं, बल्कि अनुभव, आत्मचिंतन और नई संभावनाओं का स्वर्णिम अध्याय है। यदि हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, मानसिक रूप से सक्रिय रहें, परिवार और समाज से जुड़े रहें तथा हर दिन को नई आशा के साथ स्वीकार करें, तो वृद्धावस्था भी आनंद, संतोष और प्रेरणा से भर सकती है। इसलिए उम्र चाहे कितनी भी बढ़ जाए, जीने का उत्साह कभी कम न होने दें, क्योंकि उत्साह ही जीवन को जीवंत, सार्थक और खुशहाल बनाता है।

यूज्ड ईवी: बदलती सोच, बदलता बाजार और बदलता भारत

प्रो. आरके जैन
लेखक

हर बदलाव नई चीजों से नहीं, नई सोच से जन्म लेता है। भारत में यूज्ड इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से बढ़ता बाजार इसका प्रमाण है। यह केवल ऑटोमोबाइल उद्योग की रफ्तार नहीं, बल्कि विकास को उपभोग नहीं, उपयोगिता की कसौटी पर परखने का संकेत है। जिस वाहन को कल तक 'सेकंड हैंड' कहकर नजरअंदाज किया जाता था, वही आज स्वच्छ पर्यावरण, किफायती परिवहन और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद वाहक बन गया है। यूज्ड ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) बाजार की यह उड़ान महज आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत की पहचान है, जो सीमित संसाधनों में भी भविष्य गढ़ना जानता है।

बदलाव की असली पहचान तब होती है, जब वह आम आदमी की पहुँच में उतर आए। इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ यही हो रहा है। नई ईवी कारों और दोपहिया वाहनों की ऊँची कीमत मध्यम वर्ग के लिए अब भी चुनौती है, लेकिन यूज्ड ईवी बाजार ने यह बाधा तोड़ दी है। कम कीमत, पर्याप्त बची हुई बैटरी लाइफ और आसान फाइनेंसिंग ने लाखों लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सुलभ कर दिए हैं। आर्थिक सीमाओं में बंधे लोग अब पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चुन सकते हैं। पहली इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर अब केवल संपन्न वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक की पहुँच में है। पूँजी हमेशा वहीं जाती है, जहाँ भविष्य दिखाई देता है। यूज्ड ईवी बाजार ने वित्तीय संस्थानों का यही भरोसा जीता है। फाइनेंस कंपनियाँ इसे केवल ऋण का नया क्षेत्र नहीं, बल्कि कम जोखिम और बेहतर प्रतिफल वाला निवेश मान रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता और निरंतर बढ़ती मांग ने इस बाजार को मजबूत आधार दिया है। जब निवेश विश्वास के साथ बढ़ता है, तो स्पष्ट होता है कि बाजार क्षणिक उत्साह नहीं, स्थायी संभावनाओं पर टिका है। यही भरोसा आने वाले वर्षों में यूज्ड ईवी बाजार की रफ्तार को और तेज करेगा। सबसे बड़ा लाभ बाजार का नहीं, सांसों का है। यूज्ड ईवी बाजार की असली उपलब्धि यही है कि हर इस्तेमाल किया गया इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीजल आधारित वाहनों पर निर्भरता को थोड़ा और कम करता है। जहरीली हवा और बढ़ते प्रदूषण से जूझते भारतीय शहरों में यह बदलाव किसी शोरगुल वाले अभियान से नहीं, बल्कि एक मौन हरित क्रांति के रूप में सामने आया है। इसकी ताकत नारों में नहीं, व्यवहार में है। हर पुरानी इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर को मिला नया जीवन वातावरण में प्रदूषण घटाने और स्वच्छ भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक ठोस कदम है। विकास का भविष्य नए संसाधन जुटाने में नहीं, पुराने संसाधनों के बेहतर उपयोग में है। यूज्ड ईवी बाजार इसी सोच का विस्तार है। किसी पुराने इलेक्ट्रिक वाहन का पुनः उपयोग केवल वाहन नहीं बचाता, बल्कि उसके निर्माण में लगी ऊर्जा और खनिज भी बचाता है। नई बैटरियों के उत्पादन में भारी संसाधन लगते हैं, जबकि मौजूदा बैटरी का उपयोग पर्यावरणीय दबाव घटाता है। यही परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) का आधार है, जहाँ वस्तुएँ खत्म नहीं होतीं, नया उपयोग पाती हैं। इसलिए यूज्ड ईवी बाजार केवल सस्ता विकल्प नहीं, संसाधन संरक्षण का प्रभावी माध्यम भी है। हर उड़ान की परीक्षा उसकी ऊँचाई नहीं, स्थिरता होती है। यूज्ड ईवी बाजार के सामने यही चुनौती है। बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद बैटरी की गुणवत्ता सबसे बड़ा प्रश्न बनी हुई है। हर खरीदार के मन में सवाल है कि बची हुई बैटरी कितने वर्षों तक भरोसेमंद रहेगी। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का सीमित विस्तार, प्रशिक्षित सर्विस सेंटरों की कमी और बैटरियों के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) का कमजोर ढाँचा इसकी रफ्तार रोक सकता है। इन कमियों का समाधान नहीं हुआ, तो आज का उत्साह कल अविश्वास में बदल सकता है। तकनीकी बदलाव की सफलता केवल बिक्री नहीं, मजबूत तंत्र से तय होती है। समाधान बिखरे प्रयासों में नहीं, साझा संकल्प में है। सरकार, वाहन निर्माता और वित्तीय संस्थानों को मिलकर आगे बढ़ना होगा। बैटरियों का स्पष्ट स्टैंडर्डाइजेशन, सेकंड लाइफ बैटरियों के सुरक्षित उपयोग की नीति, यूज्ड ईवी के लिए विशेष इंश्योरेंस, प्रमाणित बैटरी हेल्थ रिपोर्ट और व्यापक चार्जिंग नेटवर्क इस क्षेत्र की बुनियादी जरूरतें हैं। सरकार दूरदर्शी नीति बनाए, वाहन कंपनियाँ भरोसेमंद सेवाएँ दें और फाइनेंस कंपनियाँ आसान वित्त दें, तो यूज्ड ईवी बाजार केवल कारोबार नहीं, भारत की हरित अर्थव्यवस्था का आधार बन सकता है। टिकाऊ विकास तभी संभव है, जब नीति, तकनीक और वित्त एक दिशा में बढ़ें। हरित विकास तभी सार्थक है, जब वह आम आदमी की पहुँच में हो। यूज्ड ईवी बाजार ने यह संभव किया है। जो हरित तकनीक कभी सम्पन्न वर्ग तक सीमित थी, वह अब मध्यम वर्ग का विकल्प बन रही है। सीमित आय वाला परिवार कम कीमत में पहली इलेक्ट्रिक कार, स्कूटर या बाइक खरीदकर केवल ईंधन नहीं बचाता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा में अपना योगदान देता है। यही लोकतांत्रिक हरित क्रांति है, जहाँ पर्यावरण संरक्षण विशेषाधिकार नहीं, जनभागीदारी बन जाता है। यूज्ड ईवी बाजार ने साबित किया है कि टिकाऊ विकास महँगा नहीं, समझदारी का विकल्प हो सकता है। भविष्य उन देशों का होता है, जो संसाधनों का मूल्य समझते हैं। यूज्ड ईवी बाजार ने दिखाया है कि विकास और पर्यावरण साथ चल सकते हैं। मजबूत नीतियाँ, बेहतर आधारभूत ढाँचा और विश्वसनीय तकनीक मिली, तो भारत ग्रीन मोबिलिटी में विश्व नेतृत्व हासिल कर सकता है। तब दुनिया भारत को केवल बड़े वाहन बाजार के रूप में नहीं, बल्कि संसाधनों के पुनः उपयोग को विकास का आधार बनाने वाले देश के रूप में पहचानेगी। इस बदलाव का नायक कोई नया वाहन नहीं, बल्कि वही पुराना वाहन है, जिसे समाज ने नया उद्देश्य दिया। कल की सेकंड हैंड कार आज पर्यावरण की प्रहरी है। यही सोच कल के भारत की पहचान बन सकती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पिलानी के आईपीएस दीपक पारीक ने रचा नया कीर्तिमान, देश के पहले ड्रोन माइक्रो मिशन प्रोजेक्ट पर मिला राष्ट्रीय सम्मान

डीपीआर एंड डी के महानिदेशक ने कमेंडेशन सर्टिफिकेट से किया सम्मानित; आईआरएस छोड़ आईपीएस बने दीपक पारीक 21 बार डीजीपी डिस्क प्राप्त कर बढ़ाया राजस्थान का गौरव

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के शिक्षा नगरी पिलानी के लिए शनिवार का दिन गौरव, उत्साह और हर्ष का संदेश लेकर आया। पिलानी के लाडले सपूत पंजाब पुलिस के जाबाज वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी दीपक पारीक ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर पूरे जिले, राजस्थान और देश का नाम रोशन किया है। दीपक पारीक की इस राष्ट्रीय उपलब्धि से पूरे झुंझुनूं जिले, विशेषकर पिलानी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। इसी गौरवपूर्ण उपलब्धि के क्रम में पंजाब पुलिस के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी दीपक पारीक को डायरेक्टोरेट ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (डीपीआर एंड डी), नई दिल्ली के महानिदेशक द्वारा 'प्रोजेक्ट वर्क ऑन ड्रोन माइक्रो मिशन' में उत्कृष्ट एवं नवाचारपूर्ण योगदान के लिए कमेंडेशन सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह परियोजना अपने प्रकार का देश का पहला अभिनव कार्य मानी जा रही है, जिसने पंजाब पुलिस के साथ-साथ पूरे देश में पुलिस आधुनिकीकरण के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) जैसी प्रतिष्ठित सेवा का त्याग कर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में आए दीपक पारीक लगातार अपनी कार्यकुशलता,

तकनीकी दक्षता और नवाचारपूर्ण सोच से नई उपलब्धियाँ अर्जित कर रहे हैं। अब तक उन्हें उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 21 बार राज्य स्तरीय डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जा चुका है, जो स्वयं में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

दीपक पारीक ने अपनी प्रतिभा का परिचय छात्र जीवन से ही दिया था। वे बिट्स पिलानी से एम.ई. (मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग) में टॉपर रहे हैं तथा बिरला पब्लिक स्कूल (बीपीएस), पिलानी के मेधावी छात्र रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल पिलानी बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गौरव का विषय बन गई है। दीपक पारीक की इस उपलब्धि पर उनके पिता, पिलानी के वरिष्ठ फिजिशियन एवं मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. आर.पी. पारीक को देशभर से बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। उन्हें शुभकामनाएँ देने वालों में बिट्स पिलानी के निदेशक प्रो. बरई, डीन प्रो. आर्य कुमार, सीरी के पूर्व निदेशक डॉ. चंद्रशेखर, बिट्स दुबई कैंपस के डॉ. बनर्जी, बिट्स अमरावती के सलाहकार डॉ. वी.एस. राव, बिरला पब्लिक स्कूल की प्राचार्य श्रीमती काजल मरवाह, डॉ. एन.सी. जैन, डॉ. पी.के. सहगल, डॉ. हरीसिंह सांखला, वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर एवं अंतरराष्ट्रीय लेखक-पत्रकार डॉ. शंभु पंवार, वरिष्ठ पत्रकार के.पी. रूंथला, डॉ. सोम चौधरी, श्री जगदीश सोनी सहित अनेक शिक्षाविद, चिकित्सक, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक शामिल हैं।

विद्या विहार नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर.पी. पारीक ने सभी शुभचिंतकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दीपक पारीक की यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में भी राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए देश, प्रदेश और पिलानी का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

कपूरपुर थाना समाधान दिवस में एसपी ने सुनीं जन शिकायतें, निमार्णाधीन थाने का भी किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को थाना कपूरपुर में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके।

समाधान दिवस के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने निमार्णाधीन थाना कपूरपुर भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर निर्माण कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

डोडा छिलका के साथ तस्कर गिरफ्तार, उत्तराखंड में खपाने जा रहा था नशे का माल, पूछताछ में कबूला ये सच

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुभाषनगर पुलिस ने एक युवक को 5 किलो 840 ग्राम डोडा छिलका के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मादक पदार्थ उत्तराखंड में सप्लाई करने जा रहा था।

पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सुभाषनगर थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर सिठौरा से सराय तल्फी रोड स्थित बिजलीघर के पास तिराहे पर घेराबंदी की।

इस दौरान रविंद्र नगर, सुभाषनगर निवासी एवं मूल रूप से धनौरा, थाना दातागंज (बदायूं) निवासी 23 वर्षीय कुलदीप यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 किलो 840 ग्राम डोडा छिलका बरामद किया गया।

पूछताछ में कबूला उत्तराखंड में करता था सप्लाई

पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह डोडा छिलका उत्तराखंड में ले जाकर बेचता

था। शनिवार को भी वह खेप लेकर सप्लाई के लिए जा रहा था, लेकिन रास्ते में पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किन लोगों के संपर्क में था और मादक पदार्थ कहां से लाता था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार कुलदीप यादव के खिलाफ पहले से चोरी, आर्म्स एक्ट और अन्य आपराधिक मामलों समेत कुल सात मुकदमे दर्ज हैं। उसके आपराधिक इतिहास को देखते हुए पुलिस उसके पूरे नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

इन पुलिसकर्मियों ने की कार्रवाई

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक अनुज कुमार, कांस्टेबल देवेंद्र कुमार और कांस्टेबल राहुल कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बरामद डोडा छिलका को कब्जे में लेकर आरोपी को कोर्ट में पेश किया, कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया।

एमजी एजेंसी का झांसा देकर नारायणा अस्पताल के मालिक से 2.85 लाख ठगे, एसएसपी के आदेश पर मुकदमा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। शहर के प्रतिष्ठित न्यूरो सर्जन एवं नारायणा अस्पताल के संचालक डॉ. मुकुल अग्रवाल साइबर ठगी का शिकार हो गए। जालसाज ने खुद को एमजी मोटर्स का प्रतिनिधि बताकर एजेंसी दिलाने का झांसा दिया और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 2.85 लाख रुपये से अधिक की रकम अपने खाते में ट्रांसफर करा ली। एसएसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डॉ. मुकुल अग्रवाल का पीलीभीत रोड पर बड़ा प्लॉट है। उन्होंने अपने इंजीनियर बेटे के लिए वहां ऑटोमोबाइल एजेंसी खोलने की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने एमजी मोटर्स से संपर्क किया। आरोप है कि दो जून को खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताने वाले राजीव सिन्हा ने उन्हें लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) भेजा और प्रोसेसिंग शुल्क के रूप में 2,85,700 रुपये जमा कराने के लिए बैंक खाते का विवरण उपलब्ध कराया।

दस्तावेजों की जांच में खुली ठगी की पोल

डॉ. अग्रवाल ने बताए गए खाते में रकम जमा करा दी। बाद में दस्तावेजों की जांच करने पर उन्हें पता चला कि एलओआई और बैंक विवरण फर्जी थे तथा प्रोसेसिंग फीस के नाम पर साइबर जालसाज ने अपने खाते में रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठगी का अहसास होते ही डॉ. मुकुल अग्रवाल ने तीन जून को पंजाब नेशनल बैंक, सिविल लाइंस शाखा के माध्यम से नोएडा स्थित संबंधित निजी बैंक शाखा को ई-मेल भेजकर आरोपी के खाते को तत्काल होल्ड करने का अनुरोध किया। आरोप है कि सूचना मिलने के बावजूद बैंक ने खाते पर रोक नहीं लगाई और आरोपी ने पूरी रकम निकाल ली।

एसएसपी के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

रकम निकल जाने के बाद डॉ. मुकुल अग्रवाल ने एसएसपी अनुराग आर्य से शिकायत की। एसएसपी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी और साइबर अपराध से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बैंक खातों, दस्तावेजों और डिजिटल ट्रांजैक्शन की जांच कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

जिला बदर ऋषभ ठाकुर का फरार साथी गिरफ्तार, कैंट में युवक से मारपीट कर रंगदारी वसूली, वीडियो किया था वायरल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। धार्मिक नारे लगवाकर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने, मारपीट और रंगदारी वसूलने के मामले में कैंट पुलिस ने जिला बदर किए गए मुख्य आरोपी ऋषभ ठाकुर के फरार साथी भारत यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

यह मामला 29 मार्च 2026 का है। सदर बाजार निवासी विजेंद्र की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में आरोप है कि ऋषभ ठाकुर और उसके साथियों ने शोएब अली के साथ मारपीट की थी। आरोपियों ने पीड़ित से जबरन धार्मिक नारे लगवाए, उसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर सात हजार रुपये नकद और दो हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराकर कुल नौ हजार रुपये की रंगदारी भी वसूली थी।

मुख्य आरोपी पहले ही जा चुका है जेल

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी ऋषभ ठाकुर और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में फरार

चल रहे भारत यादव की तलाश लगातार की जा रही थी।

शनिवार को पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक राजीव पटेल ने पुलिस टीम के साथ उज्ज्वल कॉलोनी के सामने स्थित मैदान में दबिश देकर भारत यादव पुत्र स्वर्गीय करन, निवासी ग्राम चैत गोटिया, थाना कैंट को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ इसी मामले में पहले से गिरफ्तारी वारंट लंबित था।

पहले भी दर्ज है आपराधिक मुकदमा

कैंट इंस्पेक्टर संजय धीर का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी भारत यादव का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। उसके खिलाफ कैंट थाने में पूर्व से एक अन्य मुकदमा भी दर्ज है।

पुलिस अब इस मामले में वीडियो में दिखाई देने वाले अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है। वायरल वीडियो, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। मामले में सामने आने वाले अन्य आरोपियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निषादराज बोट सब्सिडी योजना के लिए फिर खुले आवेदन, 24 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के तहत निषादराज बोट सब्सिडी योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से ऑनलाइन आवेदन पोर्टल एक बार फिर खोल दिया गया है।

सहायक निदेशक मत्स्य नन्द किशोर प्रसाद ने बताया कि विभागीय पोर्टल पर अब 9 जुलाई 2026 से 24 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इससे पहले आवेदन की प्रक्रिया 8 जून से 28 जून 2026 तक संचालित की गई थी।

योजना के अंतर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन की प्रक्रिया तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी मत्स्य

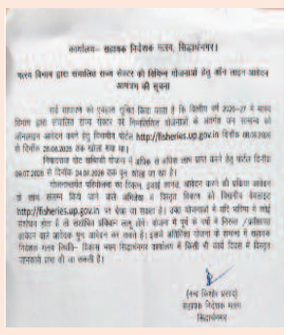

विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिन आवेदकों के आवेदन पूर्व वर्षों में निरस्त हो गए थे या प्रतीक्षारत हैं, वे भी पुनः आवेदन कर सकते हैं।

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय, विकास भवन, सिद्धार्थनगर में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 151 जोड़े बंधे विवाह बंधन में, सांसद ने रोजगार दिलाने का किया ऐलान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के निकट आयोजित समारोह में 151 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इनमें हिंदू समुदाय के 95, बौद्ध धर्म के 36 और मुस्लिम समुदाय के 20 जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। समारोह का शुभारंभ सांसद जगदंबिका पाल, नेता प्रतिपक्ष एवं इटवा विधायक माता प्रसाद पांडेय, बांसी विधायक जय प्रताप सिंह, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह और जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने दीप प्रज्ज्वलित

कर किया। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह हो रहा है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को रोजगार एवं प्लेसमेंट उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। जनप्रतिनिधियों ने योजना को गरीब परिवारों के लिए लाभकारी बताते हुए नवदंपतियों को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने बताया कि प्रत्येक नवविवाहित जोड़े के खाते में डीबीटी के माध्यम से 64 हजार रुपये भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा गृहस्थी का सामान उपलब्ध कराया गया है तथा बारात स्वागत पर भी निर्धारित धनराशि व्यय की गई है।# समारोह में डीडीओ राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में वर-वधू के परिजन मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में अधिकारियों ने सुनीं जनसमस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर। शनिवार को थाना गढ़मुक्तेश्वर में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर (आईपीएस) एवं उपजिलाधिकारी गढ़मुक्तेश्वर श्रीराम यादव ने फरियादियों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं। इस दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्राप्त शिकायतों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का वास्तविक एवं पारदर्शी तरीके से समाधान किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, उपजिलाधिकारी श्रीराम यादव ने

राजस्व एवं पुलिस विभाग से जुड़े मामलों में आपसी समन्वय स्थापित कर लंबित प्रकरणों का शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट भी मौजूद रहे। उन्होंने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी शिकायतों का नियमानुसार शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण कराया जाएगा। अधिकारियों ने उपस्थित पुलिसकर्मियों एवं संबंधित कर्मचारियों को जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

पूर्व पालिका अध्यक्ष के घर में घुसे दबंग, लाठी-डंडों से हमला; बेटे को भी पीटा, चेन लूटने का आरोप

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। फरीदपुर में नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की पत्नी पर घर में घुसकर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि लाठी-डंडों से लैस दबंगों ने पूर्व पालिका अध्यक्ष की बेरहमी से पिटाई की और बीच-बचाव करने पहुंचे उनके बेटे को भी नहीं बख्शा। पीड़िता ने चार लोगों के खिलाफ मारपीट और सोने की चेन लूटने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। वहीं, मामले में समझौते का दबाव बनाए जाने की भी बात सामने

आई है। फरीदपुर के मोहल्ला फर्रखपुर निवासी पूर्व पालिका अध्यक्ष पूनम गुप्ता, जो भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष ब्रह्माशंकर गुप्ता की पत्नी हैं, के घर के बाहर परचून की दुकान संचालित होती है। ब्रह्माशंकर गुप्ता ने बताया कि उनकी दुकान पर मोहल्ला ऊंचा निवासी माजिद काम करते हैं। शुक्रवार को माजिद दुकान के सामने से गुजर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने माजिद के साथ मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए माजिद भागकर पूनम गुप्ता के घर में घुस गए। आरोप है कि इसके बाद लाठी-डंडों से लैस दबंग जबरन घर में घुस आए। पूर्व पालिका अध्यक्ष ने विरोध करते हुए उन्हें बाहर जाने को कहा तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर उनका बेटा मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। पीड़िता का आरोप है कि हमले के दौरान उनकी सोने की चेन भी छीन ली गई। उन्होंने चार नामजद लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। उधर, पीड़ित पक्ष का कहना है कि कुछ लोग आरोपियों को बचाने के लिए समझौते का दबाव बना रहे हैं। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाबूगढ़ थाने में समाधान दिवस आयोजित, छह शिकायतों में चार का मौके पर निस्तारण

एसडीएम इला प्रकाश व सीओ सिटी अनीता चौहान ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं, निष्पक्ष और समयबद्ध कार्रवाई के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़ बाबूगढ़। थाना बाबूगढ़ परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में इला प्रकाश और अनीता चौहान के नेतृत्व में जनसुनवाई की गई। इस दौरान थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।समाधान दिवस में कुल छह

शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से चार का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। एसडीएम इला प्रकाश ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें, ताकि आमजन को त्वरित न्याय और राहत मिल सके।

जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नौहझील का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने तहसील मांट के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नौहझील का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने चिकित्सकों की उपस्थिति चेक की। जिलाधिकारी को एमओआईसी नौहझील तथा अन्य चिकित्सक अस्पताल में उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने उपस्थित चिकित्साओं से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आए मरीजों तथा भर्ती मरीजों की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों की दी जा रही दवाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में उपलब्ध दवाओं को मरीजों को दी जाएं। उन्होंने कहा कि अनावश्यक बाहर की दवा न लिखी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी मरीज को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अस्पताल में मौजूद दवाओं का अवलोकन किया। उन्होंने दवाओं के स्टॉक रजिस्टर को गहनता से चेक किया तथा दवाओं की एक्सपायरी को भी चेक किया। उन्होंने केंद्र की सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा एमओआईसी नौहझील एवं खण्ड विकास अधिकारी नौहझील को निर्देश दिए कि नियमित रूप से अस्पताल व परिसर की सफाई सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि वर्षा के दृष्टिगत उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दृष्टिगत की जा रही व्यवस्थाओं की भी जानकारी लीं, जिसपर अवगत कराया गया कि झाड़ियों की कटाई, एंटी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग आदि सुनिश्चित किया जा रहा है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अस्पताल में लगे अग्निशमन यंत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने फायर सिलेंडर की एक्सपायरी को चेक किया तथा एमओआईसी को निर्देश दिए कि नियमित रूप से फायर सिलेंडर की एक्सपायरी डेट चेक करते रहें।

जिलाधिकारी ने कहा कि दस्तक अभियान के अंतर्गत घर घर जाकर लोगों को जागरूक करे कि पानी के बर्तन, ड्रम आदि को ढक कर रखें। जिन स्थानों में पानी इकट्ठा होता है वहां पानी में कुछ बूंदे मिट्टी के तेल या ट्रैक्टर का जला हुआ मोबिल ऑयल डाल दें।

मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें। मच्छरों से बचने के लिये सोते समय मच्छर रोधी क्रीम, नीम का तेल, कड़वा तेल शरीर पर लगाएं। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। बुखार आने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर चिकित्सकीय सलाह लें और अपने खून की जांच कराएं।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने निर्देश दिए कि अस्पतालों में मरीजों के परिजनों के बैठने हेतु कुर्सी व बेंच, पीने हेतु पेयजल (आरओ जल एवं ठंडा जल), गर्मियों में पंखे आदि की व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए। मरीजों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

निरीक्षण में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, उप जिलाधिकारी मांट दीपिका मेहर सहित अस्पताल के चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

गोवर्धन पूजा और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

चौमुहाँ के गांव परखम गुर्जर स्थित माता मंदिर पर चल रही है श्रीमदभागवत कथा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/चौमुहाँ। ब्लॉक के गांव परखम गुर्जर स्थित माता मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं ने भक्ति और श्रद्धा के साथ कथा का श्रवण किया। कथा व्यास पंडित सतीश चंद पाराशर ने गोवर्धन पूजा और भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति का संदेश दिया। व्यासपीठ से पंडित सतीश चंद पाराशर ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का अवतार केवल अधर्म का नाश करने के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन को प्रेम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलाने के लिए हुआ था।

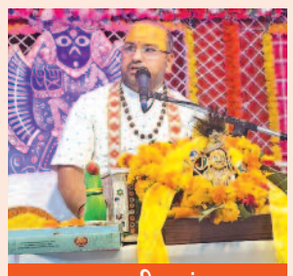

कथा व्यास सतीश चंद पाराशर प्रवचन करते हुए।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार का नाश करने के लिए गोवर्धन पर्वत की पूजा का संदेश दिया। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण का महत्व सिखाती है। मनुष्य को अहंकार त्यागकर सदैव ईश्वर के प्रति समर्पण और सेवा भाव रखना चाहिए। जो व्यक्ति निष्काम भाव से भगवान का स्मरण करता है, उसके जीवन के सभी कष्ट स्वतः दूर हो जाते हैं।

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग सुनाकर व्यास जी ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजनों और जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। श्रद्धालु 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों के साथ झूम उठे। इस अवसर पर व्यास पंडित सतीश चंद पाराशर ने बताया कि माता मंदिर परिसर में उनके द्वारा नवनिर्मित शिव मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। आगामी दो दिन बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें भगवान शिव परिवार सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। इसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। प्रमुख रूप से मोहन डॉक्टर, जगदीश पंडित, राम शर्मा, सत्या शर्मा, किशन पंडित, हर प्रसाद, पप्पू मामा, पप्पू मास्टर, मुकुट पहलवान, लोकेश पंडित सहित क्षेत्र के अनेक श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से भैंस की मौत, पुलिस ने शुरू की जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गोवर्धन-मथुरा मार्ग स्थित अडींग बंबे के समीप शनिवार शाम एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार अडींग निवासी मोहन सिंह यादव, पुत्र मंगतू राम यादव, शनिवार शाम करीब 4 बजे अपनी भैंस को घर से खेत की ओर लेकर जा रहे थे। इसी दौरान मथुरा की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने भैंस को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक घटना के बाद वाहन सहित फरार हो गया। घटना के बाद भैंस स्वामी मोहन सिंह ने स्थानीय पुलिस और लेखपाल को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम, लेखपाल उदय सिंह तथा समाजसेवी गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

मुड़िया मेला को लेकर संत एवं व्यापारियों के साथ हुई बैठक

गोवर्धन के तहसील सभागार में मुड़िया पूर्णिमा मेला को लेकर संत एवं व्यापारियों के साथ हुई बैठक में शामिल एसडीएम, सीओ, महंत केशव दास व अन्य

गोवर्धन के तहसील सभागार में मुड़िया पूर्णिमा मेला को लेकर संत, महंत एवं व्यापारियों के साथ मंथन करते अधिकारीगण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। आगामी 23 जुलाई से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला की तैयारियों को लेकर शनिवार को तहसील सभागार में संत, महंत एवं व्यापारियों के साथ प्रशासन द्वारा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन की ओर से व्यापारियों से सहयोग करने को कहा गया। संत-महंतों से मेला को लेकर सुझाव मांगे गए। मेला क्षेत्र की अनेक समस्याओं को चिन्हित कर उनको जल्द से जल्द दूर करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में गोवर्धन एसडीएम एवं सह मेला प्रभारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि मुड़िया पूर्णिमा मेला को सकुशल संपन्न कराने के लिए स्थानीय लोगों का सहयोग जरूरी है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छा एवं सुखद अनुभव महसूस हो इसके लिए मंदिर व घरों की दीवारों पर सुंदर सजावट करें।

मेला में जरूरी आपूर्ति एवं सामान आदि की गाड़ियों के लिए दिन में समय नियत किया जाएगा, जो कि एक निश्चित रूट से आने दी जाएंगी। सीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि व्यापारी अपनी दुकान व प्रतिष्ठानों के आगे लगे अतिक्रमण को हटा लें। परिक्रमा में भीड़ अधिक होने पर संकरे रास्तों से भीड़ को अन्य रास्तों से डायवर्ट किया जा सकता है। दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारविंद मंदिर मानसी गंगा एवं जतीपुरा मुखारविंद मंदिर से जुड़े प्रबंधकों से मेला में सहयोग करने को कहा।

व्यापार मंडल के गणेश पहलवान ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मुड़िया मेला में व्यापारियों का सहयोग रहता है, इस बार भी पूरा सहयोग करेंगे। संजीव खंडेलवाल संजू लाला ने बताया कि दो दिन भीड़ का अधिक दबाब रहता है, लेकिन शेष दिन कम असुविधा का सामना करना पड़ेगा। श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी राधाकुंड के पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज ने बताया मुड़िया पूर्णिमा श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु के छह शिष्यों में से एक सनातन गोस्वामी जी की गिरिराज भक्ति की प्रतीक है। यह परंपरा करीब पांच सौ साल से चली आ रही है। मुड़िया संत राम कृष्ण दास ने बताया कि मानसी गंगा चकलेश्वर मार्ग की स्थिति ठीक नहीं हैं। मेला से पूर्व उसे ठीक कराया जाएगा। इस अवसर पर तहसीलदार ब्रजेश कुमार, नायब तहसीलदार प्रशांत सिंह, महेश शर्मा, व्यास परीक्षित दास, यातायात निरीक्षक रवीन्द्र यादव आदि थे।

कैबिनेट मंत्री ने हिंदू नेशनल स्कूल में कक्षाओं एवं गैलरी के सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। आज हिंदू नेशनल स्कूल में श्री नित्यानंद स्वामी जन सेवा समिति के तत्वावधान में विद्यालय की कक्षाओं एवं गैलरी के सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री श्री खजान दास ने किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई अद्भुत एवं आकर्षक चित्रकारी का कक्षाओं में जाकर अवलोकन किया। इस सराहनीय कार्य हेतु छात्र-छात्राओं तथा सौंदर्यीकरण अभियान में सहयोग प्रदान करने वाले समिति के पदाधिकारियों को सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

कैबिनेट मंत्री ने विद्यालय में इस प्रकार के सौंदर्यीकरण एवं सृजनात्मक कार्यों की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा ऐसे प्रयास विद्यार्थियों में रचनात्मकता, स्वच्छता एवं अपने विद्यालय के प्रति आत्मीयता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

'स्पेशल ओलंपिक भारत-नेशनल चैंपियनशिप' प्रतियोगिता में 11 राज्यों के खिलाड़ी भाग लेंगे

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। खेल एवं महिला, बाल विकास मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने हिमाद्री आइस रिंक में 'स्पेशल ओलंपिक भारत -नेशनल चैंपियनशिप' का उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में देश के 11 राज्यों से आए 100 से अधिक विशेष श्रेणी के होनहार खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विशेष श्रेणी के खिलाड़ियों की चुनौतियां सामान्य से कहीं अधिक बड़ी होती हैं, इसलिए इन्हें विशेष संरक्षण और सहयोग की आवश्यकता है। हमारी सरकार राज्य की नई खेल नीति में स्पेशल कैटेगरी के खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रावधान और उन्नत ट्रेनिंग का ठोस खाका शामिल करेगी। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यहाँ अपनी प्रतिभा दिखा रहे यह खिलाड़ी वर्ष 2029 के स्पेशल ओलंपिक में भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। सरकार आपकी हर संभव मदद के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत, इंडियन आइस स्केटिंग फेडरेशन के अध्यक्ष श्री अमिताभ शर्मा, स्पेशल ओलंपिक भारत के क्षेत्रीय निदेशक श्री डीबीएस रावत, बोर्ड मेंबर श्री राजेश्वर सहित खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, खेल प्रेमी और विभिन्न राज्यों से कोच व अभिभावक भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सहसपुर में 'सेवा, सुशासन, समर्पण: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सहसपुर में 'सेवा, सुशासन, समर्पण: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 04 जुलाई से पूरे प्रदेश में संचालित जनसेवा शिविरों के माध्यम से अब तक 65 हजार से अधिक नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ मिल चुका है। हमारी सरकार का स्पष्ट प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उन्होंने कहा कि 'सेवा ही सुशासन' के मंत्र के साथ हमारी सरकार जनता के द्वार तक पहुंचकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रही है। इस अवसर पर माननीय राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, विधायक श्री सहदेव सिंह पुंडीर एवं जिलाध्यक्ष श्री मीता सिंह भी उपस्थित रहे।

हसनामऊ की दो बेटियों ने बढ़ाया गांव का गौरव, आंगनबाड़ी सहायिका बनकर हासिल की नई पहचान

वेलकम इंडिया संवाददाता

रुदौली(अयोध्या)। रुदौली विकासखंड के ग्राम हसनामऊ की दो बेटियों ने आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर चयनित होकर पूरे गांव का नाम रोशन किया है। शनिवार को रुदौली ब्लॉक परिसर में आयोजित बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के कार्यक्रम में दोनों नवचयनित सहायिकाओं को विधायक रामचंद्र यादव ने नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं इस उपलब्धि से हसनामऊ गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने दोनों बेटियों की सफलता को गांव की अन्य युवतियों के लिए प्रेरणादायक बताया। लोगों का कहना है कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और समाज में नई मिसाल कायम कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान कुल 36 नवचयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, जबकि 209 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभागीय कार्यों के बेहतर संचालन के लिए स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गए इस अवसर पर विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त बना रही है। स्मार्टफोन के माध्यम से योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा।कार्यक्रम में सीडीपीओ रेनू यादव, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के संदीप कुमार, जिला पंचायत सदस्य राम नेवल लोधी तथा एडीओ समाज कल्याण रवीश मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एथनॉल मिक्स पेट्रोल से बढ़ी वाहन चालकों की परेशानी, बाइकों में आ रही ज्यादा खराबी

काबोर्रेटर, हेड और पाइप में जम रहा चिपचिपा पदार्थ, रोज मैकेनिकों के पास पहुंच रहे खराब वाहन

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद में एथनॉल मिक्स पेट्रोल को लेकर वाहन चालकों की परेशानी बढ़ती जा रही है। खासकर पुरानी बाइक और कारों में तकनीकी खराबियां सामने आ रही हैं।

मैकेनिकों का कहना है कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से काबोर्रेटर, हेड और पाइप में शीरे जैसा चिपचिपा पदार्थ जम रहा है, जिससे वाहन स्टार्ट होने में दिक्कत आ रही है। नई

तकनीक वाले वाहनों पर इसका असर कम बताया जा रहा है, लेकिन पुराने मॉडल ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। सिद्धार्थनगर में इन दिनों कई बाइक चालक एथनॉल मिक्स पेट्रोल के कारण परेशान हैं।

स्थानीय मैकेनिकों के मुताबिक, रोजाना एक-दो ऐसे वाहन वर्कशॉप पर पहुंच रहे हैं जिनमें काबोर्रेटर, हेड और फ्यूल पाइप में चिपचिपा पदार्थ जमा मिला है। इसके चलते बाइक स्टार्ट होने में दिक्कत आती है और कई बार चोक लगाए बिना इंजन चालू नहीं होता।

बाइक चालक अफजल उर्फ डब्ल्यू ने बताया कि उनकी बाइक में भी ऐसी समस्या आई, जिसे ठीक कराने में करीब 1400 रुपये खर्च करने पड़े।

वहीं बाइक मैकेनिक कैफ का कहना है कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल के बाद इस तरह की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक के अनुरूप बने वाहनों में ई-20 पेट्रोल के अनुकूल बदलाव किए गए हैं, जबकि पुराने मॉडल में ऐसी समस्याएं अधिक देखने को मिल सकती हैं।

राजयोगनी ब्रह्माकुमारी प्रेम बहन जी की नौवीं पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा आदरणीया राजयोगनी ब्रह्माकुमारी प्रेम बहन जी की नौवीं पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'विश्व उत्कर्ष के लिये आध्यात्मिक जागृति' कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत व विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूरी ने प्रतिभाग किया। डॉ.रावत ने अपने संबोधन में कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय विगत कई दशकों से आध्यात्मिक जागरण, नैतिक मूल्यों के संवर्धन, महिला सशक्तिकरण, युवा चेतना एवं विश्व शांति के संदेश

को आमजन तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य कर रहा है। वर्तमान समय में जब समाज को सकारात्मक सोच, आत्मिक शक्ति और मानवीय मूल्यों की सर्वाधिक आवश्यकता है, ऐसे आयोजन अत्यंत प्रेरणादायी एवं प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह कार्यक्रम समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा, संस्कार एवं आध्यात्मिक चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा सभी प्रतिभागियों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने इस गरिमामय आध्यात्मिक आयोजन हेतु आयोजकों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 की तैयारियों को लेकर मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति लोगों को किया जाए जागरुक-मण्डलायुक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मण्डलायुक्त बस्ती मण्डल, बस्ती अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में जनपद में आज वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 को सफल बनाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सत्य प्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी व प्रभागीय वनाधिकारी हरिकेश यादव के साथ सभी सम्बंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

मण्डलायुक्त ने प्रभागीय वनाधिकारी से जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्य 33.571 लाख पौधों को रोपित किये जाने के सापेक्ष विभिन्न विभागों द्वारा पौधों के उठान एवं अन्य तैयारियों के बारे में जानकारी लेते हुये विभागीय अधिकारियों से आज तक किये गये पौधों के उठान के बारे में विभागवार समीक्षा किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मण्डलायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि आज वन विभाग सहित सभी विभागों द्वारा एक ही दिन में वृक्षारोपण करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य को पूर्ण किया जाना है। इस सम्बन्ध में उन्होंने विभागवार तैयारियों की गहन समीक्षा किया।

मण्डलायुक्त ने शासन की मंशा के अनुरुप वृक्षापोपण का महत्व एवं स्वस्थ जीवन शैली में वृक्षों की उपयोगिता बताते हुये उपस्थित अधिकारियों को पूरे उत्साह एवं सामाजिक सहभागिता के साथ शत-प्रतिशत वृक्षारोपण कराते हुये लक्ष्य पूर्ण करने हेतु प्रेरित भी किया। बैठक में मंडलायुक्त ने उपस्थित सभी विभागध्यक्षों को लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत वृक्षारोपण की कार्य योजना बनाकर आज को वृक्षारोपण करते हुए उसकी जियो टैगिंग करने का निर्देश दिया। मण्डलायुक्त ने वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के साथ-साथ सामाजिक वानिकी के प्रोत्साहन हेतु नगर पालिका क्षेत्रों, नई सड़कों के निमाणोपरान्त किनारों पर वृक्षारोपण, मनरेगा द्वारा कराये जा रहे कार्यों, तालाबों, गो-शालाओं आदि के आस-पास के वातावरण को हरा-भरा एवं सौन्दर्यीकृत करने हेतु पूरे वर्ष वृक्षारोपण कराते रहने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने वृक्षारोपण अभियान से सम्बन्धित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वृक्षारोपण कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने वाले अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि इस वर्ष 2026 में जनपद में वन विभाग द्वारा 14.50 लाख एवं अन्य विभागों के माध्यम से 19.071 लाख कुल 33.571 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके क्रम में विगत 05 जून 2026 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा 0.50 लाख एवं अन्य विभाग द्वारा 3.29 लाख कुल 3.79 लाख पौधों का रोपण किया जा चुका है।

शेष वृक्षारोपण शासन द्वारा निर्धारित तिथि आज वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अवसर पर वन विभाग द्वारा 14.00 लाख एवं शेष सभी अन्य विभागों विभागों जैसे ग्राम विकास, राजस्व, पंचायती, आवास विकास, औद्योगिक विकास, नगर विकास, लोक निर्माण विभाग, कृषि, पशुपालन, सहकारिता, उद्योग, विद्युत, माध्यमिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, श्रम परिवहन, उद्यान सहित अन्य विभागों द्वारा 15.78 लाख कुल 29.78 लाख पौधों का रोपण किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम के संबंध में मा0 जनप्रतिनिधिगणों को इसकी सूचना के साथ आमंत्रित किया जाए।

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम में जन सहभागिता को प्राथमिकता दी जाए तथा 'एक पेड़ मॉ के नाम' थीम पर रोपित किये जाने वाले पौधों को अभियान के रूप में चलाने हेतु जनपद के युवा वर्गो का विशेष तौर पर सहयोग लिया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त विभागीय अधिकारियों को पौध रोपण के पश्चात अनिवार्य रूप से उसकी जीओ टैगिंग कराने के भी निर्देश दिये। उन्होंने मण्डलायुक्त का वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 अभियान के तैयारियों की समीक्षा करने एवं मार्गदर्शन देने पर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करते हुये आभार व्यक्त किया तथा जनपद में वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने हेतु आश्वस्त किया।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी हरिकेश यादव, डीसी श्रम एवं रोजगार डॉ0 प्रभात द्विवेदी, परियोजना निदेशक विजयंत सिंह, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, उप जिलाधिकारी डॉ0 सुनील कुमार, उप कृषि निदेशक डॉ0 राकेश कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी डॉ0 सर्वेश कुमार, एआरटीओ प्रियंवदा सिंह, जिला उद्यान अधिकारी समुद्रगुप्त मल्ल, जिला पंचायत राज्य अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रवीश चंद्र, प्रधानाचार्य राजकीय महिला महाविद्यालय खलीलाबाद आशाराम, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका अवधेश भारती, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

थाना परिसर में आज लगाए जाएंगे 1100 पौधे, प्रभारी निरीक्षक ने लिया जायज

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। प्रदेश सरकार के वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत रविवार को जनपद सहित पूरे प्रदेश में पौधारोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत थाना कांधला परिसर में भी करीब 1100 पौधे रोपे जाएंगे। इसे लेकर शनिवार को थाना परिसर में तैयारियां की गईं। पौधारोपण के लिए गड्ढे खोदने का कार्य कराया गया तथा पौधों के संरक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने थाना परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि पौधारोपण के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न रहे और पौधों के लिए खाद, पानी व अन्य आवश्यक संसाधनों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और लगातार कम होते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है, तभी वृक्षारोपण अभियान का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी नागरिक आगे आएं और अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें।

खलीलाबाद औद्योगिक क्षेत्र में साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम थाना संतकबीरनगर अमित कुमार के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर थाना प्रभारी जयप्रकाश चौबे एवं साइबर थाने की टीम द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्रान्तर्गत ब्लूमिंग बड्स स्कूल औद्योगिक क्षेत्र, खलीलाबाद में साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

गोष्ठी के दौरान लोगों को अज्ञात कॉल, लिंक, ई-मेल, लॉटरी ऑफर, क्यूआर कोड स्कैन, फेक क्रेडिट, वर्क फ्रॉम होम, पुलिस इमपरशोनेशन, APK फाइल द्वारा साइबर फ्रॉड किया जा रहा है । संभ्रात लोगों को साइबर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों एवं उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया उनसे अपील की गई कि वे अपने बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड अथवा किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा सोशल मीडिया पर प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें ।

इस गोष्ठी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने हेतु प्रेरित करना रहा । इस दौरान प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना जय प्रकाश चौबे, म0हे0का0 अमृता सिंह, का राघवेन्द्र सिंह, म0का0 प्रतीची शुक्ला सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

थाना समाधान दिवस पर डीएम व एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने थाना समाधान दिवस पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर पहुंचकर पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया जहां पर फरियादियों से उनकी समस्याओं को मौके पर सुना गया तथा वहां मौजूद सम्बन्धित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों के शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए । हिदायत दिया गया कि राजस्व और पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी । तत्पश्चात वहां मौजूद शिकायत पंजिका का निरीक्षण करते हुए निस्तारित हो चुकी शिकायतों के संबंध मे फीडबैक भी लिया गया ।

पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग से बचाव के लिए वृक्ष लगाएं -संजय द्विवेदी

ए. एच. एग्री. इंटर कालेज दुधारा में 'एक पेंड़ मां के नाम -03' विषय पर सेमिनार का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड के ए. एच. एग्री. इंटर कालेज दुधारा में 'एक पेंड़ मां के नाम -03' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक मुहम्मद इस्तियाक व संचालक कमरे आलम सिद्धकी ने किया। शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं के सहयोग से विद्यालय परिसर में सघन वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।

प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी ने ने कहा कि वायुमंडल को शुद्ध स्वच्छ और प्रदुषण रहित बनाने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। क्योंकि सभी जीव धारियों का अस्तित्व पेड़ पौधे पर निर्भर है। सभी हरे पौधे प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना भोजन बनाने में कार्बन डाइऑक्साइड गैस का उपयोग करते हैं। प्रदूषण से से वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है, और यह कार्बन डाइऑक्साइड की परत सूरज से आने वाली गरम-गरम प्रकाश की किरणों को आने तो देती है पर परावर्तित होकर वापस नहीं जाने देती और इन प्रकाश की किरणों के वायुमंडल में मौजूद होने के कारण पूरे ग्लोब का तापमान बढ़ जाता है। इसी को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति में जो जल बर्फ के रूप में मौजूद है, ग्लोबल वार्मिंग के कारण पिघलने से पूरी धरती जल से डूब जाएगी और किसी भी स्थलीय जीव का जीवित रहना असंभव हो जाएगा। इसलिए स्वच्छ और शुद्ध वातावरण और ग्लोबल वार्मिंग से पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें।

इस दौरान प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी, फसीयुद्दीन, अब्दुल सलाम, मुहम्मद शाहिद, जुबैर अहमद, मुहम्मद युनुस, फखरुद्दीन, मुहम्मद परवेज अख्तर, औबेदुल्लाह, हकीमुल्लाह, ओजैर अहमद, सबीह अहमद, असादुल्लाह, जुनैद अहमद, रफी अहमद सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

वार्ड-11 में चला विशेष सफाई अभियान, फॉगिंग व दवा छिड़काव कराया

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। नगर पालिका परिषद की टीम ने वार्ड सभासद के साथ मिलकर संचारी रोग नियंत्रण एवं स्वच्छता अभियान के तहत वार्ड-11 में विशेष सफाई अभियान चलाया। सफाई कर्मचारियों ने गलियों व सार्वजनिक स्थानों की सफाई, नालियों की सफाई, कूड़ा उठान, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग कर मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के उपाय किए अभियान की निगरानी सफाई निरीक्षक शैसिल मलिक, सफाई लिपिक अमरेश कुमार और सफाई नायक राशिद खान ने की। वार्ड सभासद प्रदीप भार्गव के सहयोग से पूरे क्षेत्र में सफाई कार्य कराया गया। नगर पालिका लिपिक ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए स्वच्छता, दवा छिड़काव और फॉगिंग अभियान नगर भर में आगे भी लगातार जारी रहेगा।

एआरपी मनोज कुमार पाण्डेय ने किया उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी का निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व नामांकन बढ़ाने पर दिया जोर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रयागराज। नए शैक्षिक सत्र 2026-27 में अधिकाधिक छात्र-छात्राओं का नामांकन सुनिश्चित करने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन की मंशा के अनुरूप उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी, नैनी नगर क्षेत्र, प्रयागराज में एआरपी (सामाजिक अध्ययन) मनोज कुमार पाण्डेय ने विद्यालय का निरीक्षण एवं शैक्षणिक सुपरवीजन किया।

विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक मुहम्मद रिजवान ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कक्षा-7 का सुपरवीजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक अध्ययन विषय का अध्यापन नवाचार एवं रोचक शैली में कराया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ शिक्षण गतिविधियों में भाग लिया और शिक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों के सटीक उत्तर दिए। कक्षा का अनुशासन एवं शिक्षण वातावरण भी सराहनीय रहा।

इसके बाद एआरपी मनोज कुमार पाण्डेय ने स्वयं भी कक्षा का संचालन किया और सामाजिक अध्ययन व गणित विषय से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। उन्होंने विद्यार्थियों से पृथ्वी की परतों, सौरमंडल के ग्रहों तथा भिन्नों (1/2 और 1/3) से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया। निरीक्षण के उपरांत एआरपी ने विद्यालय के शिक्षकों को शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार एवं विद्यालय विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने प्रतिदिन प्रार्थना से पूर्व 30 सेकंड तक घंटावादन की परंपरा का पालन करने, निपुण प्लस ऐप के माध्यम से सभी विद्यार्थियों का मूल्यांकन पूर्ण करने, निपुण तालिका, शिक्षक डायरी एवं आकलन ट्रैकर को अद्यतन रखने तथा स्मार्ट क्लास का प्रभावी एवं नियमित संचालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ अध्यापक मुहम्मद रिजवान ने एआरपी मनोज कुमार पाण्डेय का विद्यालय आगमन, मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी सुझावों के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मूसलाधार बारिश से मौसम हुआ सुहाना, किसानों के चेहरे खिले

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार की शाम में मूसलाधार बारिश से मौसम सुहाना हो गया। बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे। मौसम की तपिश और झूलसा देने वाली गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली है तो वहीं जल स्तर के कम होने से पेयजल संकट से राहत मिली। धान की रोपाई के जूझ रहें किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई।

किसान अब्दुल्लाह, मुशीर अहमद, अब्दुल हकीम, राम बृक्ष यादव, मोहम्मद रशीद आदि ने बताया कि बारिश नहीं होने से धान की रोपाई नहीं हो पा रही थीं किसी तरह लोग निजी पंपसेट से पानी चलाकर धान की रोपाई करा रहे थे जो कि काफी खचोर्ला होता है।

कार और बाइक की भिड़ंत, दो युवक गंभीर रूप से घायल एसएसबी जवानों ने पहुचाया अस्पताल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार शाम करीब 7:40 बजे 43वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय कैंप के सामने कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित नौगढ़ की ओर फरार हो गया। दुर्घटना में घायल प्रताप सिंह पुत्र रामजीत तथा रामलाल पुत्र रामसुभग निवासी ग्राम तनजवा ककरही थाना जोगिया उदयपुर को मौके पर मौजूद 43वीं वाहिनी एसएसबी के जवानों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य करते हुए अपनी एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। दोनों का उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच कर फरार कार चालक की तलाश में जुटी है।

थाना समाधान दिवस में पहुंची सिर्फ दो शिकायत, टीम गठित कर जांच के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। शनिवार को थाना परिसर में आयोजित थाना समाधान दिवस में फरियादियों की संख्या बेहद कम रही। समाधान दिवस के दौरान दो शिकायत दर्ज हुई, जिसके निस्तारण के लिए अधिकारियों ने संयुक्त टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए।

शनिवार को थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस में नायब तहसीलदार सतीश यादव और प्रभारी उप निरीक्षक अमित कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं। मोहल्ला गुजरान निवासी नौशाद पुत्र मारूफ ने एक महिला समेत तीन लोगों पर उसकी जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

दूसरी और कस्बा निवासी वसीम ने अपने पड़ोस के व्यक्ति पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए निस्तारण के लिए अधिकारियों ने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान राजस्व विभाग और पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे है।

कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क डेवलपमेंट ऐक्शन का मनाया गया आठवां स्थापना दिवस

किश्वाडा की जनरल बॉडी बैठक में समाजोत्थान का संकल्प,डॉ.कलाम के विचारों को आगे बढ़ाने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क डेवलपमेंट ऐक्शन (डक्सहअऊअ) की स्थापना महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समाज कार्य विभाग के पूर्व डीन एंड हेड प्रोफेसर महेंद्र मोहन वर्मा द्वारा की गई थी। पिछले आठ वर्षों में संस्थान अपने उद्देश्यों के अनुरूप समाज के उत्थान में अपनी भूमिका निभाता रहा है। पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर स्थापित यह संस्था एक ऐसे विकसित एवं शक्तिशाली भारत के लिए काम करती है जहां सभी का बिना किसी भेदभाव के समावेशी विकास सुनिश्चित किया जाए और लोगों में वैज्ञानिक सोच का विकास हो। इसी ध्येय को लेकर यह संस्थान अनुसंधान,प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव हेतु लगातार कार्यरत है।

उपरोक्त विचार संस्थापक प्रो.एम.एम.वर्मा ने संस्था की जनरल बाडी मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित व आनलाइन जुड़े हुए किश्वाडा मेंबर्स व किश्वाडा-साहित्य पथ के बैनर तले उपस्थित अनेक लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकारों एवं कवियों तथा अन्य प्रतिभागियों के समक्ष संस्थान की वित्त वर्ष 2025-26 की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस वर्ष संस्थान के पांच जिला चैप्टर क्रियाशील हो गये हैं। ये सभी चैप्टर लोगों के शिक्षा,स्वास्थ्य,महिला सशक्तीकरण व सर्वांगीण विकास के मुद्दों पर केंद्रित होकर काम कर रहे हैं। पूरे वर्ष संचालित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने संस्था का आय-व्यय का ब्योरा भी प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर मंच पर यूपी कालेज के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ.राम सुधार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में डाक्टर अब्दुल कलाम को भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा इस बात पर प्रसन्नता जताई कि यह संस्था उनके विचारों को अमल में लाने का कार्य कर रही है उन्होंने 'एक सुनहली किरण उसे भी दे दो,जो भटक रहा है अँधियारे वन में' शीर्षक युक्त अपनी रचना का पाठ भी किया। इस अवसर पर डॉ प्रभाष कुमार झा,डॉ अशोक कुमार सिंह,प्रकाश श्रीवास्तव तथा डॉ कंचन सिंह परिहार ने सभा को संबोधित किया तथा समाज हित में संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों हेतु संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर वर्मा के अथक प्रयासों की सराहना की। वक्ताओं ने डाक्टर कलाम साहब के व्यक्तित्व,कृतित्व व उनके प्रखर विचारों तथा राष्ट्र सेवा में पूर्ण समर्पण हेतु उन्हें याद किया तथा अनेक रोचक जानकारियां दीं।

इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन,मां सरस्वती एवं डॉ.कलाम के चित्रों पर माल्यार्पण तथा रामानन्द दीक्षित द्वारा सरस्वती वंदना के प्रस्तुतीकरण के साथ हुई। अतिथियों को अंगवस्त्र तथा फूल मालाओं से स्वागत किया गया। तत्पश्चात किश्वाडा-वाराणसी चैप्टर की समन्वयक प्रोफेसर भावना वर्मा ने सभी का वाचिक स्वागत किया और संस्थान के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर विनोद वर्मा ने किया। इस अवसर पर आयोजित काव्य गोष्ठी में हरेन्द्र पांडेय,संतोष कुमार 'प्रीत',बुद्धदेव,मासूम जी,रामजतन 'सज्जन',सह अध्यक्ष सूर्य प्रकाश मिश्र,श्रीप्रकाश श्रीवास्तव,डॉ रामानंद दीक्षित,प्रो.महेंद्र मोहन वर्मा,विशिष्ट अतिथि द्वय डॉ.कंचन सिंह परिहार एवं डॉ.अशोक कुमार सिंह,डॉ प्रभाष कुमार झा तथा डॉ. विनोद कुमार वर्मा आदि ने विभिन्न विषयों पर केंद्रित अपनी रचनाओं का पाठ किया तथा संपूर्ण माहौल काव्यमय हो गया। अन्त में वाराणसी राजकीय जिला पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ.कंचन सिंह परिहार ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

देवर पर विधवा भाभी को कमरे में बंधक बनाकर पीटने का आरोप, पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर के मोहल्ला मेमरान में मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक विधवा महिला ने अपने ही देवर पर कमरे में बंधक बनाकर बेरहमी से पीटने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी देवर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मोहल्ला मेमरान निवासी पीड़िता की तहरीर के अनुसार, उसके पति की कुछ समय पूर्व मृत्यु हो चुकी है। पति के निधन के बाद से ही उसका देवर आए दिन उसके साथ अभद्र व्यवहार करता है और मारपीट पर उतारू रहता है। पीड़िता ने तहरीर में बताया कि बीती रात्रि उसने अपने देवर से अपना गैस सिलेंडर वापस मांगा। पीड़िता द्वारा गैस सिलेंडर वापस मांगने की बात से नाराज होकर देवर आगबबूला हो गया। आरोप है कि उसने पीड़िता को कमरे में बंद कर दिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। पीड़िता का कहना है कि उसी परिवार में विवाहित उसकी बहन ने इस घटना की सूचना तुरंत अपने पिता को दी। बेटी के साथ हो रही दरिंदगी की खबर सुनकर पिता मौके पर पहुँचे और किसी तरह कमरे का दरवाजा खुलवाकर पीड़ित बेटी को देवर के चंगुल से मुक्त कराया। घटना के बाद पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया और न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है, जिससे उसका जीना दूभर हो गया है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने बताया कि पीड़ित महिला की ओर से प्रार्थना पत्र प्राप्त हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मेरठ कूच से पहले हिंदू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष ओम हिंदू नजरबंद, पुलिस ने घर पर तैनात किया पहरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। ललिता गौतम प्रकरण को लेकर मेरठ कूच की घोषणा के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। शनिवार सुबह जहांगीराबाद में हिंदू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष ओम हिंदू को पुलिस ने उनके आवास पर ही नजरबंद कर दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सरगर्मी तेज हो गई है और संगठन के कार्यकर्ताओं में भारी रोष व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, हिंदू रक्षा दल ने ललिता गौतम प्रकरण के समर्थन में अपने कार्यकर्ताओं के साथ मेरठ पहुंचने का आह्वान किया था। प्रशासन को आशंका थी कि इस कूच से जिले की शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसी के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाते हुए शनिवार सुबह ही भारी पुलिस बल ओम हिंदू के आवास पर पहुंच गया। पुलिस ने उन्हें घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी और उन्हें नजरबंद (डिटेन) कर दिया।

कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

इस कार्रवाई की जानकारी मिलते ही हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई। संगठन के पदाधिकारियों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करार दिया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने दमनकारी नीति अपनाते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया है।

पुलिस का पक्ष

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। एक अधिकारी ने बताया, क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे और कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए एहतियात के तौर पर यह कदम उठाए गए हैं। वहीं दूसरी तरफ ओम हिंदू को नजरबंद किए जाने के बाद से क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है। फिलहाल, हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारी प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में आगे की रणनीति तैयार करने पर विचार कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा ओम हिंदू के आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

विश्वास जायसवाल के नेतृत्व में अगस्त में होगा 'वैश्य एकता मंच' का गठन,समाज को एकजुट करने की मुहिम तेज

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। वैश्य समाज को संगठित कर आपसी सहयोग एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से वैश्य एकता मंच (उत्तर प्रदेश) का गठन एवं शुभारंभ आगामी अगस्त माह में किए जाने की तैयारी है। इसकी जानकारी संस्था के संस्थापक विश्वास जायसवाल ने दी उन्होंने बताया कि वैश्य एकता मंच का मुख्य उद्देश्य वैश्य समाज को एक सूत्र में पिरोना,समाज के लोगों के बीच आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देना तथा सामाजिक कार्यों को संगठित रूप से आगे बढ़ाना है।

विश्वास जायसवाल ने बताया कि संस्था के सदस्य लंबे समय से व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक-दूसरे के सहयोग एवं विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं अब इस अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए प्रदेश स्तर पर संगठन का विधिवत गठन करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि अगस्त माह में संगठन के गठन के बाद विभिन्न पदों पर सम्मानित पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी तथा अधिक से अधिक समाज के लोगों को सदस्य बनाकर संगठन को मजबूत किया जाएगा। संस्था का उद्देश्य समाज में एकता,सहयोग और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना है।

वाराणसी में 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0' का शुभारंभ,जिला जज ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। उच्चतम न्यायालय,मीडिएशन एवं कंसीलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी व राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 का संचालन किया गया है जिसके प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार-प्रसार वाहनों को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वाराणसी संजीव शुक्ला द्वारा जनपद न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर जिला जज द्वारा कहा गया कि प्रचार-प्रसार वाहन आम जन के बीच में जाकर राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। इस मध्यस्थता 2.0 का भाग बनकर वादकारी अपने वैवाहिक मामले,घरेलू हिंसा मामले,मोटर दुर्घटना मामले,चेक बाउंस मामले,वाणिज्यिक मामले, उपभोक्ता फोरम मामले,भूमि अधिकरण मामले,सेवा सम्बन्धी मामले, शमनीय आपराधिक मामले, ऋण वसूली के मामले,बेदखली से सम्बन्धित मामले एवं अन्य उपयुक्त दिवानी मामले को मध्यस्थता के माध्यम से शान्ति पूर्ण तरीके से निस्तारित करा सकते है।

इस अवसर पर मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण के पीठासीन अधिकारी रामकेश,राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी/अपर जनपद न्यायाधीश आलोक कुमार तथा जनपद न्यायालय वाराणसी के समस्त न्यायिक अधिकारीगण व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अन्तर्गत कार्यरत समस्त पैरा लीगल वालन्टियर्स उपस्थित रहें। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव/सिविल जज (सीनियर डिविजन) राजीव मुकुल पाण्डेय द्वारा दिया गया।

दवाओं का संग्रहण और संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण : डॉ हेमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। चिकित्सकों की बैठक में स्त्री रोग विशेषज्ञ वरिष्ठ चिकित्सक डॉ हेमा शर्मा ने दवाओं के संग्रहण और संरक्षण को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए संहिता ग्रंथों का हवाला दिया कि शार्ङ्गधर ने औषधियों के संग्रह, संरक्षण और उपयोग पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि औषधियों को शुष्क स्थान पर, धूल रहित जगह तथा सूर्य की सीधी किरणों से दूर रखना चाहिए। यह आज के गुड स्टोरेज प्रैक्टिसेज का ही प्राचीन स्वरूप है। कहा कि आयुर्वेदानुसार कुछ औषधियां ताजा और कुछ पुरानी होने पर श्रेष्ठ मानी जाती हैं, आज यही सिद्धांत सेल्फ लाइफ के रूप में वैज्ञानिक रूप से स्थापित है। महर्षि चरक तथा वृद्ध वाग्भट्ट ने भैषज्य कल्पना में औषधि निर्माण के साथ-साथ उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया है चूर्ण, अवलेह, घृत, तैल,आसव,अरिष्ट इत्यादि के लिए अलग-अलग संग्रहण विधियां बतायी गई हैं। स्याना में नगर व बुगरासी क्षेत्र के चिकित्सकों की सीएमई (सतत चिकित्सकीय शिक्षा कार्यक्रम) में उपस्थित चिकित्सकों को संबोधित करते हुए उन्होंने उपरोक्त बात कही। मीटिंग का विषय भारतीय जलवायु के संदर्भ में दवाओं की गुणवत्ता तथा पैकेजिंग का महत्व रहा। डॉ मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि किसी भी दवा का प्रभाव केवल उसके अणुओं में ही नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, सुरक्षित पैकेजिंग और उचित भंडारण में भी निहित होता है। भारतीय जलवायु की चुनौतियों के बीच उत्कृष्ट पैकेजिंग रोगी के उपचार की सफलता की वास्तविक आवश्यकता होती है। उन्होंने तथ्य दिए कि आचार्य चरक ने लगभग 2000 वर्ष पूर्व देश, काल, पात्र और संग्रह का जो विज्ञान दिया था, आज वही आधुनिक फार्मा उद्योग में क्वालिटी एश्योरेंस, स्टेबिलिटी स्टडीज, गुड स्टोरेज प्रैक्टिसेज और एडवांस्ड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के रूप में दिखाई देता है। औषधि का निर्माण जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसका संग्रहण तथा संरक्षण भी है। यदि औषधि अपने गुण खो दे तो वह केवल पदार्थ मात्र रह जाती है, औषधि नहीं। डॉ लीलाधर शर्मा ने कहा कि पैकेजिंग दवा की पहली सुरक्षा है, जो दवा को नमी, प्रकाश, धूल व सूक्ष्म जीवों से बचाती है। डॉ इदरीस ने रोगियों को भी शिक्षित करने पर जोर दिया कि वे दवाईयों को रसोई, बाथरूम,धूप आदि स्थानों में न रखें। डॉ वसीम ने बताया कि ब्लिस्टर पैकिंग से पूरी स्ट्रिप खराब नहीं होती, क्योंकि प्रत्येक टेबलेट अलग-अलग सुरक्षित है। एल्यू-एल्यू पैकिंग पीवीसी की तुलना में नमी और ऑक्सीजन से अधिक सुरक्षा प्रदान करती है, वहीं वैक्सीन्स, इन्सुलिन आदि में कोल्ड चेन मेंटेन होना अति आवश्यक होता है। डॉ आशीष यादव ने कहा कि चरक संहिता में कहा गया है कि बहुकल्पम्-बहुगुणम्-सम्पन्नम्-योग्यौषधम्। अर्थात कोई भी औषधि, विभिन्न रूपों में, गुण संपन्न व उपयोग के योग्य होनी चाहिए। उत्तम औषधि वही है जो गुण, वीर्य, विपाक और प्रभाव से युक्त होकर अपना कार्य करने में सक्षम हो। डॉ अजय श्रोत्रिय ने कहा कि पर्यावरणीय दृष्टि से आज इको फ्रेंडली पैकिंग की भी विशेष आवश्यकता है, इस पर भी, अनुसंधान होने चाहिए, ध्यान दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम में उपरोक्त के अतिरिक्त डॉ इम्तियाज एवं अन्य कई चिकित्सक, मैनकाइंड फार्मा के रीजनल मैनेजर इमामुद्दीन, एरिया मैनेजर धर्मेन्द्र शर्मा तथा औषधि प्रतिनिधि हरिओम शर्मा उपस्थित रहे।

कुरु प्रधान पर बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष से जाति सूचक गाली -गलौज व जान से मारने की धमकी का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि इंजी.नवीन भारत ने कुरु गांव के ग्राम प्रधान के राजू तिवारी पर गाली-गलौज,अभद्र व्यवहार और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

इस संबंध में उन्होंने थाना कपसेठी में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। तहरीर के अनुसार शुक्रवार को गांव में बातचीत के दौरान राजू तिवारी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और विवाद करते हुए अपशब्द कहने लगे। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए गांव में नहीं रहने देने की बात कही पीड़ित का यह भी आरोप है कि घटना के समय पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद थे लेकिन कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई।

पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपित के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है वहीं कपसेठी पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू करने की बात कही है।

40 वर्षों के अटूट भरोसे और उत्कृष्टता की विरासत के साथ शालीमार कॉर्प लिमिटेड की वाराणसी में भव्य दस्तक

शालीमार कोर्टयार्ड' के साथ प्रीमियम हाउसिंग को मिलेगा नया आयाम

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। रियल एस्टेट सेक्टर में चार दशकों से अपने अटूट भरोसे और उत्कृष्टता की विरासत के लिए पहचानी जाने वाली शालीमार कॉर्प लिमिटेड अब वाराणसी में शालीमार कोर्टयार्ड के लॉन्च के साथ पूर्वांचल में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रही है। वर्ष 2026-27 की अपनी विस्तार योजना के तहत कंपनी ने वाराणसी को एक अहम ग्रोथ मार्केट के रूप में चुना है। धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व,तेजी से बढ़ते टूरिज्म और बड़े पैमाने पर हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के चलते वाराणसी आज देश के सबसे तेजी से उभरते शहरों में शामिल है। लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश के कई शहरों में अपनी शानदार परियोजनाओं की सफल डिलीवरी के बाद अब कंपनी का फोकस पूर्वांचल के तेजी से विकसित हो रहे शहरों पर है। शालीमार कॉर्प लिमिटेड के निदेशक कुणाल सेठ ने कहा 'उत्तर प्रदेश के उभरते शहर वर्ल्ड क्लास रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए शानदार संभावनाएं रखते हैं खासतौर पर वाराणसी में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट,टूरिज्म और प्रीमियम हाउसिंग की बढ़ती डिमांड इसे एक प्रमुख ग्रोथ मार्केट बना रही है।

शालीमार कोर्टयार्ड के माध्यम से हमारा उद्देश्य लग्जरी लाइफस्टाइल का एक नया बेंचमार्क स्थापित करना है जो क्वालिटी, इनोवेशन और ग्राहकों के भरोसे की हमारी 40 वर्षों की उत्कृष्टता की विरासत को आगे बढ़ाए। आने वाले समय में भी शालीमार कॉर्प लिमिटेड इस क्षेत्र के शहरी विकास में योगदान देने वाली शानदार परियोजनाएं विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और सिविल कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में करीब 40 वर्षों की मजबूत विरासत रखने वाली शालीमार कॉर्प लिमिटेड अब तक 60 से अधिक प्रोजेक्ट्स पूरे कर चुकी है।

कंपनी ने 21 मिलियन स्क्वायर फीट से अधिक प्रीमियम रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स विकसित किए हैं और 8,500 से अधिक खुशहाल ग्राहकों का विश्वास जीता है जो आज शालीमार परिवार का हिस्सा हैं। समय पर प्रोजेक्ट्स की डिलीवरी,मॉडर्न आर्किटेक्चर और ग्राहकों के भरोसे के लिए पहचानी जाने वाली कंपनी अब शालीमार कोर्टयार्ड के माध्यम से उत्कृष्टता की अपनी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रही है। लगभग 3.75 एकड़ में विकसित इस प्रोजेक्ट को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्किटेक्ट हफीज कॉन्ट्रैक्टर ने डिजाइन किया है। मेडिटेरेनियन आर्किटेक्चर से प्रेरित इस प्रोजेक्ट का लैंडस्केप डिजाइन थाईलैंड की रेड लैंडस्केप ने तैयार किया है जो शानो- शौकत और मॉडर्न लाइफस्टाइल का बेहतरीन मेल प्रस्तुत करता है।

वाराणसी के लहरतारा रोड की प्राइम लोकेशन पर स्थित शालीमार कोर्टयार्ड एक प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट है जिसमें 6 टावर और कुल 244 आधुनिक आवास हैं यह प्रोजेक्ट वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन से मात्र 400 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसके अलावा सनबीम स्कूल लहरतारा,बीएचयू,काशी विश्वनाथ मंदिर,होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल,ताज गैजेज और नदेसर पैलेस जैसे प्रमुख स्थान भी इसके बेहद करीब हैं जिससे यहां बेहतरीन कनेक्टिविटी मिलती है।

निवासियों को प्रीमियम और आरामदायक लाइफस्टाइल देने के उद्देश्य से इस प्रोजेक्ट में डबल हाइट ग्रैंड एंट्रेंस लॉबी के साथ एलिगेंट गेस्ट वेटिंग लाउंज,डबल हाइट कैफे,ग्रैंड स्विमिंग पूल विद डेक और चेंजिंग रूम,पूरी तरह से सुसज्जित जिमनेजियम,योगा रूम,पिकलबॉल कोर्ट, हाफ बास्केटबॉल कोर्ट,क्रिकेट प्रैक्टिस नेट,बैडमिंटन कोर्ट,जॉगिंग ट्रैक,फैमिली लाउंज,दो मल्टीपर्पज हॉल, स्नूकर और टेबल टेनिस रूम,किड्स पूल,आकर्षक वॉटर फीचर्स तथा कई अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ताकि निवासी आराम,सुविधा और प्रीमियम लाइफस्टाइल का अनुभव कर सकें।

मोदी डिस्टलरी में टैंक फटने के बाद लगी भीषण आग, कोई जनहानि नहीं

दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मेरठ दिल्ली रोड स्थित मोदी डिस्टिलरी में टैंक फटने से दोपहर भीषण आग लग गई । जिससे फैक्ट्री परिसर समेत हाईवे स्थित फल मंडी में अफरा तफरी मच गई। दमकल कर्मी के साथ फैक्ट्री में लगे सुरक्षा उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इस दौरान किसी प्रकार के जनहानि अथवा किसी के आहत होने की जानकारी नहीं मिल सकी है। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे मोदी डिस्टलरी में अचानक तेज धमाके से आग लग गई और आसपास के क्षेत्र में धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास शुरू कर दिए। डिस्टिलरी की फायर टीम के साथ मिलकर छह दमकल वाहनों ने करीब दो घंटे तक लगातार मशक्कत कर आग पर काबू पाया। टैंकर में हुए विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी।

दमकल कर्मियों ने सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके को घेर लिया, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। जानकारी के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है। शुरूआती जांच में स्प्रिट से भरे टैंकर के फटने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट, स्प्रिट रिसाव समेत सभी संभावित कारणों की जांच की जा रही है। अग्नि शमन अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि सूचना के बाद अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। उन्होंने बताया कि इस बीच मोदी डिस्टिलरी की टीम ने कंपनी में लगे विशाल 2 लाख लीटर कैपेसिटी के टैंक व अन्य केमिकल की मदद से आग पर काबू पा लिया।

आईफा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कला प्रतियोगिता का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस ,राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया ।जिसके उपलक्ष्य में आईफा में कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कला प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद के विचारों, राष्ट्रवाद एवं भारतीय संस्कृति को कला के माध्यम से जोड़ना है। कला प्रतियोगिता की थीम 'विवेकानंद और आधुनिक भारत' थी कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य वक्ता ध्रुव गोस्वामी(अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सहसंयोजक ,खेलो भारत), अमर कश्यप(प्रांतीय कार्यसमिति सदस्य), प्रीति शर्मा इंस्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट्स की सीनियर प्राध्यापिका,शताक्षी वशिष्ठ (जिला संयोजक) द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ध्रुव गोस्वामी एवं बताया स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक है साथ ही उन्होंने बताया की राष्ट्रीय कला मंच विद्यार्थीओ का आगे बढ़ाने का काम करता हैं। इस कला प्रतियोगिता के जरिए हम छात्रों की रचनात्मकता को निखारते और राष्ट्र के निर्माण के प्रति प्रेरित करने का प्रयास कर रहे हैं । इस कला प्रतियोगिता में संस्थान की प्रधान शिक्षिका प्रीति शर्मा, भौतेंद्र कुमार, अमित कुमार बंसल, दीपांशु, प्रशांत झा, शीतल रानी, स्वीटी, अंजलि, पलक, आभा शर्मा आदि का विशेष योगदान रहा। साथ ही विद्यार्थी परिषद गाजियाबाद जिले के जिसमे की रजत मोंघा (प्रांत सह संयोजक),शालू सिंह (विभाग सह संयोजक)रांची कश्यप(जिला छात्रा प्रमुख), माही शर्मा(नगर मंत्री) आदि उपस्थित रहे।

समस्याओं के समाधान को लेकर दूसरे दिन आमरण अनशन जारी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रसिद्ध सामाजिक संस्था पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक का समस्याओं के समाधान को लेकर दूसरे दिन आमरण अनशन जारी रहा । राजेंद्र कौशिक ने बताया कि संगठन की नीतियों को देखते हुए मातृ शक्तियों व पुरुष संगठन में जुड़ रहे हैं। रविवार को मातृशक्ति ने पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन की सदस्यता ग्रहण की है । जिसमें संगठन में शामिल होने वाली मात्र शक्तियों वाली मातृ शक्तियों में मोनिका शर्मा सीमा देवी पूजा सैनी रश्मि कश्यप व डा किशन लाल शर्मा राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर मनोनीत हुए। उन्होंने सभी का धन्यवाद किया तथा कहा संगठन एक बहुत बड़ी शक्ति है। पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन सभी की समस्या के समाधान के लिए 24 घंटे तत्पर रहता है।

किसान यूनियन सर छोटू राम का स्थापना दिवस पर कई प्रस्ताव पास किए

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन सर छोटू राम का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। एडवोकेट कुँवर अयूब अली का जुबेदा फार्म हाउस गुलावठी मसूरी रोड पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारी आनंद चौधरी, एडड्ड कुँवर अयूब अली, अजयपाल प्रमुख साहब, एडवोकेट भूपेन्द्र चौधरी , गीता निगम आदि ने कुछ प्रस्ताव पेश किए। जिनमे अमेरिका से कृषि छेत्र में होने वाले समझौते का विरोध।

देश में हो रही खाद उर्वरक की कमी का विरोध । पूरे देश में किसानो के मुद्दे पर हो रहे किसी भी आंदोलन को भारतीय किसान यूनियन सर छोटू राम पूर्ण समर्थन रहेगा। दिल्ली जंतर मंतर चल रहे काकरोच जानता पार्टी को पूर्ण समर्थन। पूरे देश में एंथनॉल से गाड़ियो में हो रहा भारी भरकम नुकसान का पूर्ण विरोध। सभी प्रस्ताव पास किए गए।

इस मौके पर रणवीर प्रधान को प्रदेश उपाध्यक्ष, विपिन चौधरी जिला अध्यक्ष गाज़ियाबाद,दीपक गुज्जर को युवा जिला अध्यक्ष गाजियाबाद, भविष्य चौधरी को शहर अध्यक्ष गाजियाबाद,आजाद शमशेर को जिला उपाध्यक्ष, भुवनेश सिंह महासचिव, एडवोकेट जितेश वर्मा को जिला सचिव,रोहित वीरवाल जिला सचिव,राहुल चौधरी को प्रदेश सचिव, श्रीमती सरिता भाटी को प्रदेश सचिव महिला मोर्चा, श्रीमती मीनू वीर को प्रदेश सचिव महिला मोर्चा,श्रीमती सरोज प्रदेश सचिव, हाशिम खान को जिला उपाध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर, एडवोकेट दिवाकर सिंसिंवर को जिला उपाध्यक्ष बुलंदशहर, कपिल यादव विधान सभा अध्यक्ष सिकंदराबाद, मुकेश कुमार ब्लॉक अध्यक्ष सिकंदराबाद, सहित हजारो सम्मानित साथी और किसान उपस्थित रहे।

प्रशासन ने जीएनएसएस रोवर द्वारा सीमा पर पैमाइश की गई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी के निर्देश और परिषदादेश के क्रम में जी एन एस एस रोवर द्वारा रविवार को आज ग्राम अमराला और फरीदनगर की सीमा पर पैमाइश की गई और साथ ही उपस्थित राजस्व टीम को ऑन साईट ट्रेनिंग भी दी गई। रोवर के द्वारा फीता/मीटर टेप का प्रयोग किए बिना तीव्र गति से पैमाईश की जा सकती है ।रोवर की पैमाईश में अपेक्षाकृत त्रुटि की संभावना भी कम रहती है। ऐसी टेढ़ी मेढ़ी आकृतियाँ जैसे कि जोहड़,तालाब इत्यादि जिनका क्षेत्रफल निकालना पहले काफी कठिन और समयसाध्य था वह रोवर से अत्यंत सरलता पूर्वक निकाला जा सकता है ।साथ ही अत्यंत वृहद क्षेत्रफल को भी बहुत कम समय में मापा जा सकता है ।जीएनएसएस रोवर तकनीक मल्टीपल सैटेलाइट्स से अपना डेटा प्राप्त करके अत्यंत शुद्धता से रियल टाइम में परिणाम देता है ।इस मौके पर एसडीएम अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार आदि उपस्थित रहे।

महमदपुर सुजानपुर के लोगों ने नालियों के पानी की निकासी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भोजपुर थाना क्षेत्र स्थित गांव महमदपुर सुजानपुर कुछ लोगों ने नालियों के पानी की निकासी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया । गांव के लोगों का कहना है कि रास्ते में अवैध निर्माण के कारण नालियों का पानी का निकासी नहीं हो रही है। नालिया बंद पड़ी है जिससे बारिश और घरों का गंदा पानी अब लोगों के घरों व रास्तों में भरने लगा है। गांव के लोगों ने आरोप लगाते हुए बताया कि कुछ लोगों द्वारा नाली की निकासी पूरी तरह रोक दिए जाने से घरों के आंगन और कमरों तक पानी पहुंच रहा है।

कई परिवारों को रोजमर्रा की जिंदगी जीने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण बदबू फैल रही है जिससे चलते संक्रामक बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। छोटे बच्चों,बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों और प्रशासन से की,लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने इस समस्या का समाधान नहीं किया,तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मांग की है कि नाली की निकासी को तत्काल बहाल कराया जाए नाली के ऊपर अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और गांव में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया।

दिनदहाड़े घर खंगाल ले गए चोर, गहने-नकदी के साथ नल की टोंटियां तक उखाड़ ले गए बदमाश

वेलकम इंडिया संवाददाता

ट्रांस हिंडन। टीला मोड़ थाना क्षेत्र की डीएलएफ कॉलोनी में चोरों ने दिनदहाड़े एक सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश मकान की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे और घर में रखे सोने के आभूषण, एक लाख रुपये की नकदी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और यहां तक कि बाथरूम व रसोई में लगी नल की टोंटियां भी उखाड़कर अपने साथ ले गए।

परिवार जब रिश्तेदारी से लौटकर घर पहुंचा तो घर की हालत देखकर उनके होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित गुरुचरन सिंह, जो फिटर फैब्रिकेशन का कारोबार करते हैं, अपनी पत्नी परविंदर कौर के साथ डीएलएफ कॉलोनी में रहते हैं। उनकी बेटी रिंपी ने बताया कि तीन जुलाई को उनकी बड़ी बहन शिल्पी, जो रायबरेली में रहती हैं, के पति विक्की के सड़क हादसे में घायल होने की सूचना मिली थी। परिवार की इस आपात स्थिति को देखते हुए गुरुचरन सिंह, उनकी पत्नी और रिंपी रायबरेली के लिए रवाना हो गए थे।

रिंपी के अनुसार, उसी दिन कुछ घंटों बाद पड़ोसी का फोन आया, जिसमें घर से पानी की मोटर चोरी होने की जानकारी दी गई। परिवार को भरोसा था कि घर के सभी कमरों में सेंट्रल लॉक लगा हुआ है, इसलिए किसी बड़ी चोरी की आशंका नहीं थी। इसी विश्वास के चलते वे निश्चिंत रहे। कुछ दिनों बाद रिंपी वापस गाजियाबाद लौट आईं, जबकि उनके माता-पिता नौ जुलाई को घर पहुंचे। अगले दिन जब उनकी मां ने घर की साफ-सफाई कराने के लिए रिंपी को बुलाया, तब चोरी की असली तस्वीर सामने आई।

घर का मुख्य सेंट्रल लॉक लगा हुआ था, लेकिन अंदर प्रवेश करते ही पूरा घर अस्त-व्यस्त मिला। बड़े फर्नीचर को छोड़कर लगभग पूरा सामान गायब था।

निशुल्क दन्त परीक्षण शिविर का किया आयोजन, 117 बच्चों के दांतों की गई जांच

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। लायंस क्लब मोदीनगर राईजिंग स्टार ने किड्स जी मोदीनगर मे डा. निकिता चौधरी के सहयोग से फ्री दन्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। लायंस क्लब मोदीनगर राईजिंग स्टार की चार्टर अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता ने बताया कि किड्स जी मोदीनगर में डा. निकिता चौधरी के सहयोग से लायंस क्लब मोदीनगर राईजिग स्टार ने निशुल्क दन्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया । जिसमें 117 बच्चों के दांतों की जाँच करी गयी। डॉक्टरी जांच मे अधिकतर बच्चों के दाँतो मे कीडा पाया गया। कुछ बच्चे ऐसे भी रहे जो अभी तक भी बोतल से दूध पीते है रात भर बोतल मुँह मे रहने से मी कीडे की समस्या होती है। कुछ बच्चै ऐसे भी रहे जो अगूँठा पीते है। डा. निकिता चौधरी ने सभी बच्चों को बहुत तसल्ली से देखा तथा अभिभावकों के प्रश्नो के उत्तर देकर उन्हें सन्तुष्ट किया। डा. निकिता चौधरी दन्त रोग विशेषज्ञ है तथा स्वर्गीय डा. हर्षवर्धन की पुत्रवधू तथा डा. अभिलाष चौधरी की जीवनसंगिनी है। डा. हर्षवर्धन मेमोरियल क्लीनिक के नाम से इनका क्लीनिक अपर बाजार मोदीनगर इण्टर कालिज के सामने है। स्कूल प्रशासन ने भी इस शिविर को सफल बनाने मे बहुत ही अच्छा सहयोग किया। निर्देशक अनमोल बंसल तथा प्रधानाचार्या श्रीमती तारिका माटा को लायंस क्लब मोदीनगर राईजिंग स्टार ने पटका पहनाकर व तुलसी का गमला देकर सम्मानित किया। डा. निकिता चौधरी का भी सम्मान व आभार व्यक्त पटका पहनाकर व तुलसी का पौधा व उपहार देकर किया गया। क्लब की चार्टर अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता ने बच्चो को रोज ब्रश करने की सलाह दी इस अवसर पर क्लब की सचिव लायन एकता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन कल्पना गुप्ता व सदस्य लायन शालिनी गर्ग उपस्थित रही।

एनसीआर में पुराने वाहनों पर बड़ा फैसला, 14 हजार से अधिक ट्रक-बस परिवर्तन योजना के दायरे में

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पुराने व्यावसायिक वाहनों को चरणबद्ध तरीके से सड़कों से हटाने की दिशा में केंद्र सरकार की 'परिवर्तन योजनाइ पर तेजी से अमल शुरू हो गया है। इस योजना के तहत गाजियाबाद जिले के बीएस-1, बीएस-2, बीएस-3 और बीएस-4 श्रेणी के कुल 14,081 व्यावसायिक ट्रक और बसें शामिल की गई हैं। परिवहन विभाग अब इन वाहन स्वामियों से सीधे संपर्क कर उन्हें योजना के लाभों की जानकारी देगा और पुराने वाहनों को अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों पर जमा कराने के लिए प्रेरित करेगा। परिवहन विभाग के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य केवल पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाना ही नहीं, बल्कि स्वच्छ ईंधन आधारित आधुनिक बीएस-6 और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी है। इससे एनसीआर में प्रदूषण के स्तर को कम करने के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था को अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सकेगा। योजना के तहत यदि कोई वाहन स्वामी अपने पुराने पात्र वाहन को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र (आरवीएसएफ) में स्क्रैप कराता है और उसके स्थान पर नया बीएस-6 या इलेक्ट्रिक वाहन खरीदता है, तो उसे पंजीकरण की तिथि से अगले 10 वर्षों तक मोटर वाहन कर में शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही नए वाहन के पंजीकरण शुल्क में भी पूरी छूट मिलेगी, जिससे वाहन स्वामियों को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी।

इतना ही नहीं, पुराने वाहन को स्क्रैप कराने वाले वाहन स्वामियों को वाहन निमार्ता कंपनियों की ओर से नए वाहन की खरीद पर आठ प्रतिशत तक अग्रिम छूट (अपफ्रंट डिस्काउंट) भी उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे पुराने वाहनों को हटाने की प्रक्रिया में तेजी आएगी और अधिक लोग आधुनिक एवं कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की ओर आकर्षित होंगे। योजना में उन वाहन स्वामियों का भी ध्यान रखा गया है जो नया वाहन खरीदने के इच्छुक नहीं हैं। ऐसे लोगों को सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीओडी) के हस्तांतरण (ट्रेडिंग) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अपने स्क्रैप किए गए वाहन से जुड़े लाभों का उपयोग अन्य पात्र व्यक्तियों को हस्तांतरित कर सकेंगे। इसके अलावा सरकार ने डीजल और सीएनजी आधारित नए व्यावसायिक वाहनों की खरीद को भी प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। योजना के अंतर्गत ऐसे वाहनों की खरीद पर पांच वर्षों तक ब्याज अनुदान दिया जाएगा।

साथ ही वाहन स्वामियों को पांच वर्षों तक मासिक ईंधन वाउचर भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे परिचालन लागत में कमी आएगी और परिवहन कारोबार को आर्थिक सहारा मिलेगा। एआरटीओ (प्रशासन) अशोक कुमार श्रीवास्तव ने जिले के सभी पात्र वाहन स्वामियों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह योजना पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक बचत-दोनों दृष्टि से लाभकारी है। पुराने वाहनों को हटाकर स्वच्छ तकनीक वाले वाहनों को अपनाने से प्रदूषण में कमी आएगी और वाहन स्वामियों को कर एवं अन्य शुल्कों में उल्लेखनीय राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि योजना से संबंधित अधिसूचना जारी होने की तिथि से दो वर्ष के भीतर वाहन स्वामी इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। परिवहन विभाग जल्द ही सभी पात्र वाहन स्वामियों को अनुरोध पत्र भेजकर योजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगा, ताकि वे समय रहते इसका लाभ उठा सकें।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में पौधारोपण अभियान आरम्भ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कालेज में शासन आदेश के तहत पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है।आज बढ़ती प्रदूषण वनों की कटाई जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याएं मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। इन समस्याओं को सबसे प्रभावी और सरल समाधान अधिक से अधिक वृक्ष लगाना तथा उनका संरक्षण करना है। इन सभी समस्याओं को ध्यान मे रखते हुऐ एक छोटी सी पहल गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स कॉलेज मोदीनगर में (वृक्षारोपण अभियान) 'हरित पहलों के माध्यम से पृथ्वी का संरक्षण' इको क्लब तथा राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर पूनम शर्मा द्वारा की गई। कार्यक्रम में राजनीतिक विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ नूतन सिंह एंव छात्राओं द्वारा पौधा रोपण कार्य महाविधालय के प्रांगण में लगा कर एक छोटी सी पहल पौधा लगाओ अभियान शुरू करते हुए पौधा लगा कर महाविद्यालय की छात्राओं ने पौधे जगह जगह लगाने के लिए वितरित किए। इस अवसर पर महाविधालय की उपस्थित सभी अध्यापिकाओं को भी पौधे वितरित किए गए। संगीत विभाग से डॉ आकांक्षा सारस्वत, राखी शर्मा, डॉ राखी मित्तल, डॉ मीनू अग्रवाल, डॉ शिखा त्यागी, रूबी, अंकिता त्यागी, अनीता खन्ना, खुशबू त्यागी आदि का योगदान रहा।

वैशाली के कमर्शियल कॉम्पलेक्स में देह व्यापार का भंडाफोड़, 23 महिलाएं रेस्क्यू; 5 ग्राहक व एक कर्मचारी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कौशांबी पुलिस ने शनिवार शाम वैशाली सेक्टर-4 स्थित एक कमर्शियल कॉम्पलेक्स में चल रही कथित अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देह व्यापार के अड्डे का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से 23 महिलाओं को रेस्क्यू किया, जबकि 5 ग्राहकों और 1 कर्मचारी को हिरासत में लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कुछ आपत्तिजनक एवं अवैधानिक सामग्री भी बरामद की।

पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि वैशाली सेक्टर-4 के एक कमर्शियल कॉम्पलेक्स की तीसरी मंजिल पर अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना मिलते ही थाना कौशांबी पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और कार्रवाई को अंजाम दिया। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मामले में थाना कौशांबी पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। रेस्क्यू की गई महिलाओं का नियमानुसार परीक्षण एवं आवश्यक प्रक्रिया कराई जा रही है, जबकि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे कौन लोग शामिल हैं और इसका नेटवर्क कितना बड़ा है।

लिफ्ट देकर लूट करने वाला 25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। दादरी कोतवाली पुलिस ने देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश अशोक कुमार उर्फ आशु उर्फ भोला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी दादरी क्षेत्र में लिफ्ट देने के बहाने लोगों से लूटपाट की वारदातों को अंजाम देता था। उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, पीड़ित का आधार कार्ड और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने 20 मई 2026 को कार में लिफ्ट देने के बहाने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन, नकदी और आधार कार्ड लूट लिया था। आरोपी पर हत्या, लूट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। आपराधिक नेटवर्क के संबंध में पुलिस उसके अन्य साथियों और पूछताछ कर रही है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप का सख्त संदेश- सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचाना अधिकारियों की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप की अध्यक्षता में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मेरठ मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान छात्रवृत्ति, शादी अनुदान, ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण, दिव्यांग पेंशन, कृत्रिम अंग, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, कॉक्लियर इम्प्लांट, दिव्यांगजन शादी अनुदान तथा अन्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया, समाचार पत्रों और अन्य जनसंचार माध्यमों के जरिए करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए विशेष रोजगार मेलों के आयोजन, ई-ट्राईसाइकिल योजना के प्रभावी संचालन, लाभार्थी सम्मान समारोह आयोजित करने तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। मंत्री ने अधिकारियों से संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

डॉक्टरों की हड़ताल से थमी इलाज की रफ्तार, पुलिस के आश्वासन पर बहाल हुई एमएमजी अस्पताल की सेवाएं

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिला एमएमजी चिकित्सालय में मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा को लेकर शनिवार को चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा।

अस्पताल परिसर में पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के चलते कुछ समय के लिए अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मेडिकल स्टाफ का आरोप था कि अस्पताल में चिकित्सकों और कर्मचारियों के साथ लगातार मारपीट की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही है।

8 जुलाई को एक नर्स के साथ हुई मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने और पूर्व में इमरजेंसी विभाग के एक कर्मचारी पर हुए चाकू से हमले के मामले में कार्रवाई में देरी से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई।

हड़ताल की सूचना पर एसीपी उपासना पाण्डेय, थाना कोतवाली प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पुलिस अधिकारियों और मेडिकल स्टाफ के बीच हुई वार्ता में पुलिस ने आश्वासन दिया कि 8 जुलाई के मामले में दर्ज एफआईआर संख्या 0190 में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी तथा मेडिकल प्रोटेक्शन से संबंधित धाराओं में भी कार्रवाई होगी। साथ ही इमरजेंसी स्टाफ पर हुए चाकू से हमले के मामले में भी तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया गया। पुलिस प्रशासन के आश्वासन और त्वरित कार्रवाई के भरोसे के बाद चिकित्सकों और कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर दी। इसके बाद जिला एमएमजी चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाएं पुनः सामान्य रूप से शुरू हो गईं।

राजनगर एक्सटेंशन में मासूम की मौत से हड़कंप, पुलिस ने कई संदिग्धों को लिया हिरासत में

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित एक निमार्णाधीन मॉल परिसर में 7 वर्षीय मासूम बच्ची का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बच्ची के माता-पिता निमार्णाधीन मॉल में मजदूरी का कार्य करते हैं और वहीं पास में रहते हैं। बच्ची को शुक्रवार 10 जुलाई की शाम करीब 7:30 बजे आखिरी बार देखा गया था। इसके बाद वह अचानक लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। बाद में निमार्णाधीन मॉल परिसर में बच्ची का शव पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली।

प्रारंभिक जांच में बच्ची के सिर पर किसी ठोस वस्तु से वार किए जाने के संकेत मिले हैं। पुलिस को गले के पास भी संदिग्ध निशान मिले हैं। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस हत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल का निरीक्षण पुलिस अधिकारियों ने स्वयं किया और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम व डॉग स्क्वॉड की मदद ली गई। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा घटनास्थल के आसपास उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि बच्ची का शव बरामद हुआ है। पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनसे गहन पूछताछ शुरू कर दी है। मामले के जल्द खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें जांच में जुटी हुई हैं।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार बदमाश गिरफ्तार; दो चोरी की बाइक बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुरादनगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी चोरी के मामले दिल्ली और मेरठ में दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई को चेकिंग अभियान के दौरान मुरादनगर क्षेत्र से मनीष उर्फ छोटू, रोहित उर्फ अजगर, जयदीप और तुसार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विभिन्न राज्यों में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।बरामद मोटरसाइकिलों में एक दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र तथा दूसरी मेरठ के टीपीनगर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी।

बरामदगी के आधार पर मुरादनगर थाने में आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और वाहन चोरी की अन्य घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

कम ब्याज पर लोन का झांसा देकर करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा

नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस ने ऑपरेशन साइबर वज्र के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए सेक्टर-2 स्थित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कम ब्याज पर लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों से प्रोसेसिंग फीस के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-2 के डी-80 भवन की पहली मंजिल से संचालित इस कॉल सेंटर के जरिए आरोपी लोगों को सस्ते ब्याज पर लोन दिलाने का लालच देते थे। इसके बाद आधार कार्ड, पैन कार्ड, ओटीपी और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी हासिल कर प्रोसेसिंग फीस के नाम पर रकम वसूल लेते थे। न तो पीड़ितों को लोन मिलता था और न ही उनकी रकम वापस की जाती थी।

करंट ने छीन ली मासूम की मुस्कान: बारिश के बीच ट्रांसफार्मर बना मौत का जाल, 8 वर्षीय अयान की दर्दनाक मौत

कपिल चौहान

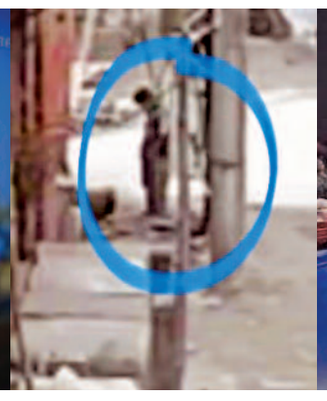

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लगातार हो रही बारिश के बीच करंट लगने से होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। थाना टीला मोड़ क्षेत्र की इकबाल कॉलोनी में शुक्रवार को ट्रांसफार्मर के पास करंट की चपेट में आने से आठ वर्षीय मासूम अयान की दर्दनाक मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मासूम ट्रांसफार्मर के पास जाता दिखाई देता है और कुछ ही क्षणों में करंट लगने से जमीन पर गिर पड़ता है। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम और आक्रोश का माहौल है। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस ट्रांसफार्मर के पास हादसा हुआ, वहां लंबे समय से करंट उतरने की शिकायत की जा रही थी। कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाते तो मासूम अयान की जान बच सकती थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वहीं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर जमा हो गए और बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मृतक अयान के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, दोषियों को दंडित करने तथा परिवार को उचित आर्थिक सहायता देने की मांग की है। उनका कहना है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि कथित लापरवाही का परिणाम है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि बारिश के मौसम को देखते हुए सभी बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मरों और अन्य विद्युत उपकरणों की तत्काल जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए।

बारिश के दौरान करंट से हो रही लगातार घटनाओं ने शहर की बिजली व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें प्रशासन और जांच एजेंसियों पर टिकी हैं कि इस मामले में निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाती है या नहीं। पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें केवल संवेदना नहीं, बल्कि न्याय चाहिए।

नंदग्राम तिराहे पर धू-धू कर जली डीपीएस की स्कूल बस, बाल-बाल बची बड़ी अनहोनी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मेरठ रोड स्थित नंदग्राम तिराहे पर शनिवार सुबह दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) की एक स्कूल बस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बस आग की लपटों में घिर गई और दूर तक काले धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। फायर विभाग के अनुसार सुबह 9:26 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को घटना की सूचना मिली थी। दमकल कर्मियों ने होज लाइन और होज रील की मदद से आग को चारों ओर से घेरकर पूरी तरह बुझाया। बस (संख्या UP 14 GT 6565) सीएनजी से संचालित थी।

राहत की बात यह रही कि घटना के समय बस में कोई छात्र या अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।